RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ़ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -124 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, बुधवार 16 जुलाई, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

बानसूर क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ उच्च शिक्षा संस्थान

BANSUR P.G. COLLEGE

बानसूर पी.जी. महाविद्यालय

(UGC 2(f) recognised and Affiliated to RRBM University)

शिक्षाविदो द्वारा निरन्तर मार्गदर्शन

educate • enlighten • empower

B.A. ★ B.Sc. ★ B.Com. ★ Integrated B.Sc.-B.Ed./B.A.-B.Ed.

M.A. (Geography, Political Science, Hindi, English, Sanskrit) M.Sc. (Chemistry, Zoology, Botany, Physics, Maths)

प्रोफेसर आर.के. गुर्जर
महानिदेशक

NCC | NSS | Scout | Digital Classroom | Equipped Labs | Rich Library | Innovation Centre | Sports Facility | Transport Facility

पंचम दीक्षान्त समारोह, 2025

पिछले 7 सत्रों में 16 विश्वविद्यालय टॉपर

मरुधरा पैरामेडिकल संस्था

DMLT
DRT
DOTT
DECG
D Ortho
D Opthalmo

बानसूर I.T.I. (Pvt)

इलैक्ट्रिशियन, फिटर, मैकेनिक डीजल

सेना भर्ती (टैक्निकल) में 40 मार्क्स का बोनस व 12वीं समकक्षता

सम्पर्क करें – 9785990822

बानसूर नर्सिंग कॉलेज

B.Sc. Nursing

Post Basic B.Sc. Nursing

PMKVY
प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

बाईपास रोड, बानसूर, कोटपूतली–बहरोड – 301402 सम्पर्क करें: 8448450046, 8769639575

@bansurcollege | bansurpgcollege | www.bansurcollege.ac.in | bansurpgcollege@gmail.com | Location | Download eMAHE App | Subscribe Youtube Channel

कांवड़ यात्रा से लौटते समय हादसे में कांवड़िये की मौत, गांव में पसरा मातम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सावन के पवित्र माह में चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान अलवर जिले के चांदौली गांव के एक कांवड़िये की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। चांदौली निवासी 50 वर्षीय लेखराम गुर्जर हरिद्वार से जल लेकर पैदल लौट रहे थे। मंगलवार तड़के मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र में चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर नानू पुल के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद साथी कांवड़िये सुनील शर्मा ने तुरंत एंबुलेंस बुलवाई और लेखराम को सीएचसी पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज मेरठ रेफर किया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही लेखराम ने दम तोड़ दिया। लेखराम 7 जुलाई को गांव के अन्य कांवड़ियों - धीरज शर्मा, महावीर प्रसाद, कालूराम, अनिल और एक अन्य के साथ हरिद्वार से कांवड़ लेने रवाना हुए थे। उनके भतीजे संदीप ने बताया कि वे हर साल कांवड़ यात्रा में जाते थे और काफी धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। हादसे की जानकारी मिलते ही लेखराम के परिजन मेरठ के लिए रवाना हो गए। देर शाम तक शव गांव पहुंचने की संभावना है। लेखराम के दो बेटे और तीन बेटियां हैं। उनकी असमय मृत्यु से परिवार सहित पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने घटना पर गहरा दुख जताया और हादसे के लिए जिम्मेदार वाहन चालक की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। गांव में लोगों का कहना है कि लेखराम जैसे श्रद्धालु और शांत स्वभाव के व्यक्ति की इस तरह सड़क दुर्घटना में मौत होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। परिजनों ने बताया कि अंतिम संस्कार व अन्य कार्रवाई शव गांव पहुंचने के बाद की जाएगी।

कैलादेवी-लक्ष्मणगढ़-दिल्ली रोडवेज बस सेवा 10 माह से ठप, यात्रियों को भारी परेशानी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

कैलादेवी से लक्ष्मणगढ़ होते हुए दिल्ली तक संचालित होने वाली रोडवेज बस सेवा पिछले 10 माह से पूरी तरह बंद पड़ी है, जिससे लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के सैकड़ों गांवों के यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। हिंडौन डिपो से संचालित यह बस सेवा बीते दो दशकों से प्रतिदिन नियमित रूप से चलती थी। कैलादेवी से सुबह 8 बजे रवाना होकर यह बस हिंडौन सिटी, महुवा, मंडावर, गढ़ी सवाईराम होते हुए लगभग 11.30 बजे लक्ष्मणगढ़ पहुंचती थी। 15-20 मिनट के विश्राम के बाद दिल्ली के लिए रवाना हो जाती थी। वहीं दूसरी बस दिल्ली से प्रातः रवाना होकर दोपहर 11.30 बजे लक्ष्मणगढ़ पहुंचती थी और फिर कैलादेवी के लिए वापस जाती थी। इस रूट से रोजाना बड़ी संख्या में छात्र, नौकरीपेशा लोग और श्रद्धालु यात्रा करते थे। लेकिन बीते 10 महीनों से बस सेवा बंद होने के कारण न केवल यात्रियों को निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी अतिरिक्त भार झेलना पड़ रहा है। हिंडौन डिपो के अधिकारियों के अनुसार चालकों की कमी के कारण दोनों बसों का संचालन बंद कर दिया गया है। इस निर्णय से रोडवेज को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है, जबकि आम यात्रियों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। फिलहाल इस रूट पर कोई वैकल्पिक रोडवेज या निजी बस सेवा संचालित नहीं हो रही है। कैलादेवी या करौली-हिंडौन जैसे स्थलों पर जाने के लिए लोगों को डग्गेमार वाहनों से पहले गढ़ी सवाईराम तक पहुंचना पड़ता है और वहां से महुवा, हिंडौन होते हुए गंतव्य तक जाना पड़ता है। ऐसे में एक सामान्य दूरी तय करने में यात्रियों को पूरा दिन लग जाता है लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के ग्रामीणों ने रोडवेज विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द इस मार्ग पर बस सेवा दोबारा शुरू की जाए ताकि उन्हें राहत मिल सके और छात्रों व कर्मचारियों की दिनचर्या फिर से सामान्य हो सके।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम 17 जुलाई को प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित होगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 17 जुलाई को प्रताप ऑडिटोरियम, अलवर में किया जाएगा। यह आयोजन राज्य सरकार के निर्देशानुसार होगा, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त कार्मिकों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्य आवंटित करते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम राज्य स्तरीय आयोजन से वर्चुअली जोड़ा जाएगा, जिसमें जिले के सभी नवनियुक्त कार्मिक हिस्सा लेंगे। जिला स्तरीय आयोजन के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि सहायक नोडल अधिकारियों के रूप में दुग्ध संघ सरस डेयरी के प्रबंध निदेशक, सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक और उप पंजीयक सहकारी समितियां, अलवर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त कार्मिकों का पंजीकरण किया जाएगा और उन्हें उपस्थिति प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। साथ ही सभी नवचयनितों को एक वैलकम किट भी दी जाएगी। जिला प्रशासन की ओर से सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम की व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएं ताकि यह उत्सव नवचयनित युवाओं के लिए एक प्रेरणास्पद और उत्साहवर्धक अवसर बन सके।

अलवर जिले में 30.62 लाख की बिजली चोरी के 92 प्रकरणों पर जयपुर डिस्कॉम की कार्रवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जयपुर डिस्कॉम) द्वारा जिला कलक्टर के निर्देशानुसार जिले में बिजली चोरी के मामलों पर सख्त कार्रवाई की गई है। गठित टीमों ने उपभोक्ताओं और गैर-उपभोक्ताओं के खिलाफ कुल 92 प्रकरणों में 30.62 लाख रुपये की बिजली चोरी पकड़ी है। जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता सुधीर पांडे ने बताया कि विभिन्न उपखण्डों में सहायक अभियंताओं के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। ए-5 कार्यक्षेत्र में 20 प्रकरणों में 9.36 लाख रुपये, मालाखेड़ा उपखण्ड में 15 प्रकरणों में 3.60 लाख रुपये, रामगढ़ उपखण्ड में 19 प्रकरणों में 6.20 लाख रुपये, कठूमर उपखण्ड में 19 प्रकरणों में 5.11 लाख रुपये तथा राजगढ़ उपखण्ड में 19 प्रकरणों में 6.35 लाख रुपये की बिजली चोरी पकड़ी गई। इस कार्रवाई का उद्देश्य विद्युत वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करना और अवैध रूप से बिजली का उपयोग करने वालों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। जयपुर डिस्कॉम द्वारा आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई जारी रखने की चेतावनी दी गई है। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें, अन्यथा पकड़े जाने पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

बारिश से कच्चे रास्तों पर भरा पानी, आवागमन में परेशानी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

कस्बे के बाईपास रोड स्थित नारायण नगर कॉलोनी में लगातार हो रही बारिश के चलते जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे कॉलोनीवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी सड़कों पर भर गया है और कुछ घरों के भीतर तक पहुंच चुका है, जिससे लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। एडवोकेट अभिमन्यु चौधरी, रामकुमार और सूबेदार रोशनलाल चौधरी सहित कई कॉलोनीवासियों ने बताया कि बारिश से कॉलोनी की कच्ची गलियों में गंदा पानी भर गया है और जगह-जगह कीचड़ जमा हो गई है। स्थिति ऐसी है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है और कई परिवारों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजना तक बंद कर दिया है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि वे इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को अवगत करा चुके हैं।

"कैसे स्कूल चले हम": दौलतपुरा में गंदगी और जलभराव से होकर स्कूल पहुंचते बच्चे, सरकारी दावों की खुली पोल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

"बड़ी कठिन है शिक्षा की डगर, कैसे स्कूल चले हम"–यह पंक्तियाँ आज थानागाजी ब्लॉक के गांव दौलतपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय (राउप्रावि) के बच्चों की असल जिंदगी को बयां करती हैं। जहां राज्य सरकार सरकारी स्कूलों को निजी विद्यालयों जैसी सुविधाएं देने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर दौलतपुरा जैसे गांवों में बच्चे घुटनों तक भरे गंदे पानी और कीचड़ में फिसलते हुए स्कूल जाने को मजबूर हैं। सरकार के शिक्षा और विकास के दावों को यह हालात पूरी तरह से झूठा साबित कर रहे हैं।

गांव दौलतपुरा में 100 से अधिक बच्चे आसपास की ढाणियों से इस स्कूल में पढ़ने आते हैं। बरसात के मौसम में विद्यालय तक पहुंचने वाला रास्ता पूरी तरह से जलमग्न हो जाता है। कीचड़ और गंदे पानी से भरे इस रास्ते पर बच्चों को जूते-चप्पल हाथ में लेकर सावधानी से कदम रखते हुए स्कूल पहुंचना पड़ता है। कई बार छोटे बच्चे फिसल जाते हैं, जिससे उनके कपड़े, किताबें और बैग गंदे हो जाते हैं। यह समस्या एक दिन की नहीं बल्कि हर बारिश के मौसम में बार-बार सामने आने वाली परेशानी है।

विद्यालय की प्रधानाचार्य शांति मीना ने बताया कि कई बार पंचायत और प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। स्कूल के दोनों ओर कच्चा रास्ता है, जो बारिश में दलदल में बदल जाता है। बच्चों को हर रोज स्कूल आने-जाने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। शिक्षकों को भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है।

दूसरी ओर सरकार द्वारा चलाए जा रहे "आओ स्कूल चले हम" जैसे अभियानों का असर इस अव्यवस्था के आगे फीका नजर आता है। शिक्षक घर-घर जाकर अभिभावकों से बच्चों को स्कूल भेजने की अपील कर रहे हैं, रैलियां निकालकर नामांकन बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जब बच्चे स्कूल पहुंच ही नहीं पा रहे तो ऐसे अभियानों का क्या लाभ? गांव में प्राइवेट स्कूलों की संख्या बढ़ने से सरकारी स्कूलों को पहले ही नामांकन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, ऊपर से खराब रास्तों और बदहाल व्यवस्था ने हालात और खराब कर दिए हैं।

स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने इस स्थिति पर गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि बच्चों की शिक्षा बेहद जरूरी है, लेकिन इस तरह जान जोखिम में डालकर स्कूल जाना किसी खतरे से कम नहीं। बरसात में रास्तों पर भरे गंदे पानी से संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। बच्चे बीमार पड़ रहे हैं और अभिभावकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

विद्यालय में खेल मैदान की स्थिति भी बेहद खराब है। ग्रामीणों ने बताया कि खेल मैदान पर प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है, वहां लकड़ी और गोबर डाला जा रहा है। सीमांकन नहीं होने के कारण विद्यालय अपने बच्चों को खेलने की सुरक्षित जगह तक नहीं दे पा रहा है। ऐसे में बच्चों का शारीरिक विकास भी प्रभावित हो रहा है।

ग्राम पंचायत क्यारा के सरपंच छोटेलाल मीना ने बताया कि पूर्व में उक्त रास्ते से अतिक्रमण हटवाकर सड़क निर्माण की योजना थी, लेकिन कुछ ग्रामीणों ने न्यायालय से स्थगन आदेश (स्टे) लेकर काम रुकवा दिया। अब बच्चों की परेशानी को देखते हुए विकास अधिकारी से बात कर रास्ते में ग्रेवल डलवाने की तैयारी की जा रही है ताकि अस्थायी रूप से रास्ता दुरुस्त हो सके।

हालांकि यह पहल देर से सही, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। सवाल यह है कि क्या हर साल अस्थायी पैचवर्क से बच्चों को राहत मिलेगी? सरकार और प्रशासन की प्राथमिकताओं में आखिर बच्चों की शिक्षा और उनकी सुरक्षा कब शामिल होगी?

इस पूरी स्थिति ने प्रदेश सरकार के शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे दावों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। यदि शिक्षा को लेकर सरकार इतनी गंभीर होती तो आज बच्चों को तालाब जैसे रास्तों से गुजर कर स्कूल नहीं जाना पड़ता। यह समस्या केवल दौलतपुरा की नहीं है, बल्कि ऐसे सैकड़ों गांव हैं जहां स्थिति इससे भी बदतर है।

दौलतपुरा में स्कूली बच्चों को कीचड़ में फिसलते देखना केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि यह उस सिस्टम की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है जो केवल घोषणाओं और योजनाओं में उलझा हुआ है। यदि प्रशासन और पंचायत समय रहते नहीं चेते तो यह जन आक्रोश का कारण भी बन सकता है।

ग्रामीणों और अभिभावकों ने एक सुर में प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द जलनिकासी और पक्के रास्ते की स्थायी व्यवस्था की जाए ताकि बच्चों की शिक्षा बिना किसी बाधा के जारी रह सके। वरना सरकार के "शिक्षा सर्वोपरि" जैसे नारों की विश्वसनीयता पर जनता सवाल उठाने से पीछे नहीं हटेगी।

नल्देश्वर धार्मिक स्थल पर कुंड में डूबने से युवक की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल नल्देश्वर में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में 23 वर्षीय युवक की कुंड में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान देव शर्मा पुत्र पंकज शर्मा निवासी अलवर के रूप में हुई है। वह अपने एक साथी के साथ नल्देश्वर मंदिर में दर्शन के लिए गया था। जानकारी के अनुसार, नहाने के दौरान देव शर्मा गहरे पानी में चला गया और डूब गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत अकबरपुर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद युवक को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। चूंकि नल्देश्वर धार्मिक स्थल पहाड़ी इलाके में स्थित है, शव को कुंड से बाहर निकालने के बाद सड़क तक लाना एक बड़ी चुनौती बना रहा। पथरीले और फिसलन भरे रास्तों से होकर पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों ने शव को नीचे पहुंचाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अलवर के सामान्य चिकित्सालय भेजा गया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे धार्मिक स्थलों पर स्थायी रूप से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। लोगों का कहना है कि नल्देश्वर मंदिर जैसे लोकप्रिय स्थलों पर चेतावनी बोर्ड, लाइफ जैकेट और प्रशिक्षित लाइफगार्ड की तैनाती अत्यंत आवश्यक है। स्थानीय निवासियों का यह भी कहना है कि नल्देश्वर कुंड में प्रति वर्ष हादसे होते हैं, जो किसी बड़े हादसे से कम नहीं होते। इसके बावजूद प्रशासन हर बार चुप्पी साधे रहता है। हादसे के बाद कुछ दिनों की हलचल जरूर होती है, मगर समय के साथ सबकुछ भुला दिया जाता है। जब तक स्थायी समाधान नहीं किया जाएगा, तब तक श्रद्धालुओं की जान यूं ही खतरे में बनी रहेगी। गौरतलब है कि सावन के महीने में नल्देश्वर मंदिर में हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक और स्नान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा उपायों की अनदेखी करना हर किसी की जान पर भारी पड़ सकता है।

लक्ष्मणगढ़ में सहकारिता समितियों को लेकर भाजपा की बैठक आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

कस्बे की पुरानी सब्जी मंडी स्थित श्री सार्वजनिक पुस्तकालय के सभा भवन में सहकारिता समितियों से जुड़े मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संजीव कटारा एडवोकेट ने की। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता उपस्थित रहे। उनके साथ पूर्व जिलाध्यक्ष संजय नरूका, जिला महामंत्री ऋषिराज शर्मा, देशराज खरेरा, विधानसभा प्रत्याशी बन्नाराम मीना, जिला उपाध्यक्ष अभिराम दीक्षित, आईटी विभाग से अजय शर्मा, सोशल मीडिया प्रभारी पवन पुरषोत्तम, खोह मंडल अध्यक्ष विक्रम शर्मा और पुस्तकालय अध्यक्ष रवि शर्मा मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता समितियों के माध्यम से किसानों को खाद-बीज जैसी आवश्यक सुविधाएं मिलती हैं, इसलिए कार्यकर्ताओं को चाहिए कि वे समितियों में हो रहे कार्यों की निगरानी करें ताकि जनता को योजनाओं का सही लाभ मिल सके। इस दौरान भाजपा अलवर दक्षिण के सहकारिता संयोजक संजय नरूका ने समितियों में नए सदस्य जोड़ने पर जोर दिया और कहा कि सहकारिता तंत्र को मजबूत कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किया जा सकता है। बैठक में भगवान सहाय गुप्ता, मुकेश पटेल, प्रमोद बोहरा, सुभाष मीना, भूपेंद्र राघव, रवि प्रजापत, सतीश बसवाल, प्रकाश प्रजापत, मीना गुप्ता, अविनाश खारवाल, त्रिलोक सैदावत, राजू आजाद, त्रिलोक मीना, राहुल पटेल, तूफान बना, सौरभ साहू, समय यादव, रामनिवास यादव, हरवीर यादव, सुआ लाल यादव, रूपेश प्रजापत, शैतान रैबारी, कपिल शर्मा, मन्नूलाल सैनी, किशनलाल सैनी, अजय सैनी, श्याम खारवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सहकारिता तंत्र के सशक्तिकरण और पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया तथा सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने का आह्वान किया।

थानागाजी की क्यारा ग्राम पंचायत में छात्राओं के लिए सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

ब्लॉक थानागाजी क्षेत्र की ग्राम पंचायत क्यारा में छात्राओं के लिए एक नई पहल के तहत सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन स्थानीय विधायक कांति प्रसाद मीणा ने किया। पंचायत परिसर में बने इस पुस्तकालय का फीता काटकर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर विधायक का स्वागत सरपंच छोटेलाल मीणा, वार्ड पंचों व ग्रामीणों ने माला पहनाकर व मोमेंटो भेंट कर किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रधानाचार्य रामचंद्र बुनकर, पूर्व प्रधानाचार्य रामशरण मीणा, पंचायत शिक्षक सत्यनारायण पारीक, हॉस्टल वार्डन संतरा मीणा, दीनदयाल कोली, चेतन प्रकाश बुनकर, रतनलाल पटवारी समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दिन सरपंच छोटेलाल मीणा का जन्मदिन भी था, जिसे समारोह के बीच विधायक व अन्य उपस्थित जनों ने माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर मनाया। छात्राओं का भी पारंपरिक रूप से तिलक लगाकर स्वागत किया गया। विधायक कांति प्रसाद मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि छात्राएं देश के भविष्य की नींव हैं। उनका शिक्षा की ओर बढ़ना पूरे समाज के विकास का संकेत है। उन्होंने कहा कि आज की छात्राओं को अपनी संस्कृति से जुड़े रहकर समाज की रीढ़ बनना है और पारिवारिक मजबूती के साथ आगे बढ़ना है। सरपंच छोटेलाल मीणा ने जानकारी दी कि पुस्तकालय में एक साथ 36 छात्राएं अध्ययन कर सकती हैं। यह पुस्तकालय वातानुकूलित है और सीसीटीवी कैमरे से सुसज्जित है। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। ग्राम पंचायत ने पुस्तकालय संचालन के लिए एक कोर कमेटी का गठन किया है, जो व्यवस्थाओं की निगरानी करेगी। प्रवेश के लिए माता-पिता की सहमति जरूरी होगी और मासिक 100 शुल्क निर्धारित किया गया है। पुस्तकालय का समय सुबह 7.00 से शाम 7.00 बजे तक रहेगा। कार्यक्रम का मंच संचालन पूर्व प्रधानाचार्य रामशरण मीणा ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे गांव की बेटियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और वे प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगी।

थानागाजी में राम मंदिर की सीढ़ियों पर चला जेसीबी, आज आधे दिन बाजार बंद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

कस्बे में श्रीराम मंदिर की सीढ़ियों व रैम्प पर सिविल न्यायालय के आदेश की पालना में की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर सोमवार को भारी विवाद खड़ा हो गया। कस्बे के माडा बालिका छात्रावास के पास स्थित मंदिर की सीढ़ियों को जेसीबी से तोड़े जाने के विरोध में आमजन में आक्रोश फैल गया है। विरोध में आज मंगलवार 16 जुलाई को कस्बे की सभी दुकानें दोपहर 12 बजे तक बंद रखी जाएंगी, जबकि शिव बगीची में सुबह 9 बजे सर्व समाज की महापंचायत बुलाई गई है। ग्रामीणों व कस्बेवासियों ने घटना के विरोध में थानागाजी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। उनका कहना है कि मंदिर सिर्फ आस्था का नहीं, बल्कि जनभावनाओं का केंद्र है, जिसे ठेस पहुंचाई गई है। इस घटना से नाराज सैकड़ों ग्रामीण सोमवार को मंदिर पहुंच गए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रशासनिक अधिकारियों ने इस कार्यवाही से अनभिज्ञता जताई है। उपखंड अधिकारी पिंकी गुर्जर और तहसीलदार मोहित पंचोली ने कहा कि प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई और न ही उन्हें इस विषय की पूर्व जानकारी थी। तहसीलदार ने बताया कि जानकारी मिलने पर उन्होंने मौके का निरीक्षण कराया। उपखंड अधिकारी ने जिला कलेक्टर को इस संबंध में रिपोर्ट भेज दी है। विवाद की जड़ उस भूमि को लेकर है, जिस पर मंदिर का प्रवेश द्वार, सीढ़ियां और रैम्प बना हुआ था। भाजपा नेता रोहितास घांघल ने आरोप लगाया कि यह जमीन पहले कस्बेवासियों द्वारा मंदिर को दान में दी गई थी, जिसमें एक हिस्सा शिक्षा विभाग का भी है। घांघल ने दावा किया कि एडवोकेट रत्नेश मीणा ने षड्यंत्रपूर्वक कोर्ट से डिग्री हासिल की और बिना प्रशासनिक उपस्थिति के कोर्ट बाबू, उपजिला प्रमुख ललिता मीणा के साथ मिलकर जेसीबी से मंदिर की सीढ़ियां तुड़वा दीं। रोहितास घांघल ने मांग की कि मंदिर की सीढ़ियों व रैम्प का पुनर्निर्माण करवाया जाए, कोर्ट बाबू को निलंबित किया जाए, जेसीबी को जब्त किया जाए और ललिता मीणा को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने मांगें नहीं मानी तो आज 16 जुलाई को सुबह 10 बजे हजारों लोग मंदिर पर एकत्रित होंगे और आगामी रणनीति तय की जाएगी। वहीं, उपजिला प्रमुख ललिता मीणा ने कहा कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश की पालना में की गई है, जो छात्रावास की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर पहले से दर्ज वाद में दी गई थी। इस पूरे प्रकरण से कस्बे में तनाव की स्थिति बनी हुई है। आमजन, व्यापारी और समाज के विभिन्न वर्गों ने शिव बगीची में आयोजित सभा में शामिल होकर विरोध दर्ज करवाने का आह्वान किया है।

RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -124 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, बुधवार 16 जुलाई, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

मॉस्को को ट्रंप के नाटकीय अल्टीमेटम की परवाह नहीं

ट्रंप की धमकी के बाद भी पीछे नहीं हटेगा रूस, यूक्रेन के साथ जारी रहेगी जंगः पुतिन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मॉस्को

ऐसा लगता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बेपरवाह हैं। वह यूक्रेन में युद्ध जारी रखने और अपने कब्जे वाले क्षेत्र का दायरा बढ़ाने का इरादा रखते हैं। उन्होंने यह भी जता दिया है कि वह तब तक लड़ाई जारी रखेंगे, जब तक पश्चिम देश उनकी शर्तों पर बातचीत के लिए तैयार नहीं होते।

यूक्रेन को हथियार देगा अमेरिका

इससे एक दिन पहले ट्रंप ने यूक्रेन के लिए हथियारों की आपूर्ति का एलान किया था और कहा था कि रूस 50 दिन में शांति समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ तो वह रूसी उत्पादों को खरीदने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाएंगे। ऐसे देशों पर अमेरिका 100 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है।

दबाद में युद्ध समाप्त नहीं करेंगे पुतिन

रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन से जुड़े तीन सूत्रों ने बताया कि पुतिन पश्चिम के दबाव में युद्ध को समाप्त नहीं करेंगे। उनका मानना है कि रूस ने पश्चिम द्वारा लगाए गए बेहद सख्त प्रतिबंधों का सामना किया है। वह और आर्थिक प्रतिबंधों को सहन कर सकता है। उन्होंने कहा, ''पुतिन को लगता है कि यूक्रेन में शांति के लिए अमेरिका समेत कोई भी गंभीरता से बातचीत नहीं कर रहा है।''

अमेरिका से हथियार खरीदकर यूक्रेन को देगा नाटो

ट्रंप ने यह भी बताया कि अमेरिका एक बड़ा सौदा कर रहा है, जिसके तहत नाटो अमेरिका से हथियार खरीदेगा और फिर रूस के साथ चल रहे युद्ध के बीच उन्हें यूक्रेन को देगा। उन्होंने कहा, 'हम सबसे अच्छे सैन्य हथियार बनाते हैं, चाहे वह मिसाइलें हों या कुछ और। ये हथियार जल्दी ही युद्ध के मैदान में पहुंचाए जाएंगे।'

ट्रंप ने रूस पर भारी टैरिफ लगाने की दी धमकी

इस बीच, ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका यूक्रेन को और हथियार देने के लिए एक समझौता कर रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर शांति समझौता नहीं हुआ, तो रूस से आने वाले सामान पर भारी टैरिफ लगाया जाएगा। जमीनी स्तर पर युद्ध अभी भी जारी है। रूसी क्षेत्रीय अधिकारियों ने कहा कि वोरोनिश, लिपेत्स्क और ब्रांस्क क्षेत्रों में रातभर हुए यूक्रेनी ड्रोन हमलों में कम से कम 18 लोग घायल हुए हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूस पर दबाव और बढ़ रहा है। यूरोपीय संघ की विदेश मामलों की प्रमुख काजा कल्लास ने कहा कि यूरोपीय संघ रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के बेहद करीब है। इसी दबाव को दोहराते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर यूक्रेन पर 50 दिनों के भीतर कोई समझौता नहीं हुआ, तो वे रूस पर 100 प्रतिशत 'द्वितीयक शुल्क' लगा देंगे।

पहले भी ट्रंप ने पुतिन से फोन पर की है बात

सूत्रों के अनुसार, ट्रंप और पुतिन के बीच कई बार फोन पर बातचीत और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकोफ की रूस यात्रा के बावजूद रूसी नेता का मानना है कि शांति योजना पर विस्तृत चर्चा नहीं हुई। जबकि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रूस और उसके व्यापारिक साझेदारों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की ट्रंप की धमकी को महत्व नहीं दिया और कहा कि उनका देश नए प्रतिबंधों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

रूस कर रहा कड़े प्रतिबंधों का सामना

चीन में शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि रूस पहले से ही अभूतपूर्व प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। उन्हें अपने देश की क्षमता पर पूरा भरोसा है। ट्रंप ने सोमवार को सैन्य संगठन नाटो के महासचिव मार्क रुट के साथ बैठक के बाद कहा था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वह नाराज हैं। वह दिन में अच्छी बातें करते हैं और रात में बमबारी करा देते हैं। अब अमेरिका यूक्रेन को लड़ने के लिए अरबों डॉलर मूल्य के हथियार देगा। यूक्रेन को बचाव के लिए पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की मिसाइलें देने की घोषणा के साथ ही ट्रंप ने संकेत दिया कि यूक्रेन को हमले वाले हथियार भी दिए जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हालांकि इस बयान के एक दिन बाद ही यानी मंगलवार को यूक्रेन से मॉस्को पर हमला नहीं करने की अपील की।

मार्क रूट के साथ बैठक में ट्रंप ने पुतिन के प्रति निराशा व्यक्त की

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बैठक की। इस दौरान ट्रंप ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के प्रति निराशा व्यक्त की और धमकी दी कि अगर 50 दिनों के भीतर कोई समझौता नहीं होता है, तो वे कड़े टैरिफ लगा देंगे। इसे द्वितीयक टैरिफ कहा जाएगा।

युद्ध पर अब तक 350 अरब डॉलर खर्च कर चुका अमेरिका

ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका रूस और यूक्रेन युद्ध पर अब तक 350 अरब डॉलर खर्च कर चुका है और वह अब इसे खत्म होता देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'यह मेरा युद्ध नहीं है, यह बाइडन का युद्ध था। मैं तो इसे खत्म करने की कोशिश कर रहा हूं।' ट्रंप ने यह भी कहा कि वह पुतिन से निराश हैं। उन्हें उम्मीद थी कि दो महीने पहले ही कोई समझौता हो जाएगा, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा। ट्रंप ने कहा, 'अगर 50 दिनों में कोई समझौता नहीं हुआ, तो हम भारी टैरिफ लगाएंगे और यह बहुत सख्त होंगे। मुझे उम्मीद है कि ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लेकिन फिर भी हम तैयार हैं।'

पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की आलोचना की

ट्रंप ने युद्ध को लेकर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना की। उन्होंने फिर से कहा कि अगर वह राष्ट्रपति होते, तो यह युद्ध कभी नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि बाइडन की गलत नीतियों की वजह से यह युद्ध शुरू हुआ। ट्रंप ने कहा, 'मैं पहले कहता था कि हर दिन 5,000 सैनिक मारे जा रहे हैं, लेकिन अब संख्या और ज्यादा हो गई है। यह बहुत भयानक युद्ध है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए।'

एअर इंडिया हादसे के बाद कई देशों की एयरलाइंस अलर्ट, ईंधन स्विच की जांच करने के दिए आदेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सिंगापुर

एअर इंडिया विमान हादसे को लेकर आई AAIB की रिपोर्ट में फ्यूल स्विच को लेकर किए गए दावे के बाद बोइंग के ईंधन स्विच लॉक की जांच तेज हो गई है। बीते सोमवार को भारत ने अपनी एयरलाइनों को बोइंग मॉडलों के ईंधन स्विच की जांच करने का आदेश दिए, इसके बाद दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को इसी तरह के जांच के आदेश दिए। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की क्वांटस एयरवेज और जापान की एएनए एयरलाइन भी इसमें शामिल हैं। अन्य एयरलाइनों ने कहा कि उन्होंने एयर इंडिया दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी होने के बाद से एहतियात के रूप में जांच के आदेश दिए हैं। सिंगापुर एयरलाइंस ने मंगलवार को कहा कि उसके बोइंग-787 बेड़े के सभी ईंधन स्विचों की एहतियातन जांच की गई। हालांकि, सभी स्विच ठीक से काम कर रहे हैं। जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा समूह ने कहा कि उसने भी एअर इंडिया हादसे के बाद से अपने बोइंग-787 विमानों के स्विचों की दोबारा जांच की है और कोई समस्या नहीं पाई गई है। गौरतलब है कि यह एहतियाती कदम 12 जून को भारत के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद उठाया गया है। प्रारंभिक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान के दोनों फ्यूल स्विच बंद हो गए थे। इस बीच अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) और बोइंग ने कहा है कि उसके विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच सुरक्षित होते हैं। 2018 में एफएए ने एक एडवाइजरी जारी कर ईंधन कटऑफ स्विच के लॉकिंग सिस्टम को जांचने को कहा था लेकिन इसे अनिवार्य नहीं बनाया था।

'गगन जीत' धरती पर लौटे शुभांशु शुक्ला, देश में खुशी का माहौल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

गगनयात्री शुभांशु शुक्ला आइएसएस पर 18 दिन रहने के बाद मंगलवार को पृथ्वी पर लौट आए। शुभांशु समेत एक्सिओम-4 मिशन के चार सदस्यों को लेकर ड्रैगन यान कैलिफोर्निया तट पर उतरा। अंतरिक्षयात्रियों ने पृथ्वी पर लौटने के लिए साढ़े 22 घंटे की यात्रा की। 'गगन जीतने' वाले शुभांशु जब प्रशांत महासागर में कैलिफोर्निया तट पर मुस्कुराते हुए और कैमरों की ओर हाथ हिलाते हुए उतरे तो करोड़ों भारतीयों का स्वाभिमान एक बार फिर सातवें आसमान पर था। शुभांशु 17 अगस्त तक भारत पहुंच सकते हैं। शुभांशु और एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्षयात्री- मिशन कमांडर अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोस्ज उजनांस्की-विस्नीवस्की, हंगरी के टिबोर कापू भारतीय समयानुसार दोपहर 3.01 बजे प्रशांत महासागर में कैलिफोर्निया के सैन डिएगो तट के निकट उतरे। अमेरिका से हजारों मील दूर भारत के 140 करोड़ लोग आइएसएस पर पहली बार भारत का परचम लहराने वाले देश के यशस्वी सपूत का स्वागत करने के लिए पलक पांवड़े बिछाए थे। भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन शुभांशु आइएसएस की यात्रा करने वाले पहले भारतीय हैं। वह पृथ्वी की कक्षा में सबसे लंबे समय तक - 20 दिन - रहने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं। वह अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले राकेश शर्मा 1984 में सोवियत संघ के सोयूज अंतरिक्षयान से अंतरिक्ष स्टेशन सैल्यूट 7 पर गए थे। शुभांशु ने अपनी इस यात्रा से भारत के पहले स्वदेशी मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' की राह आसान बना दी है। इस यात्रा में मिले अनुभव से इसरो को अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, 'गगनयान' को क्रियान्वित करने में मदद मिलेगी। यही कारण है कि एक्सिओम-4 मिशन पर इसरो ने 550 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

राजस्थान में बाढ़ का कहर, भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, 22 लोगों की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान के कई क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। तीन जिलों में बाढ़ ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, जबकि एक दर्जन जिलों में वर्षा के कारण जनहानि हुई है। पिछले 24 घंटों में आकाशीय बिजली गिरने व डूबने से 22 लोगों की मौत हुई है। इनमें से मंगलवार को चार लोगों की जान गई। पाली और कोटा के स्कूलों में आगामी आदेश तक अवकाश घोषित किया गया है। कोटा की चंबल नदी और पाली में भारी वर्षा के बीच पानी के तेज बहाव से मगरमच्छ सड़क पर आ गए हैं। कई वाहनों के बाढ़ में बहने की भी सूचना है।

चंबल में बहे शव किए गए बरामद

स्थिति को संभालने के लिए कोटा बैराज के 12 गेट खोलकर दो लाख तीन हजार क्यूसेक पानी की निकासी की गई है। उधर, सोमवार को चंबल में बहे छह लोगों में से तीन के शव मंगलवार को बरामद कर लिए गए। बूंदी में मेज नदी के ओवरफ्लो होने से कई गांवों का मुख्यालय से संपर्क कट गया है। यहां ग्रामीण बाइक उठाकर नदी पार कर रहे हैं। चूरू के सुजानगढ़ में बाढ़ से हालात गंभीर बने हुए हैं। जयपुर जिले में हल्की वर्षा का दौर जारी है, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है। जोधपुर में तेज बारिश के कारण रेलवे स्टेशन पर पानी भर गया है, जिससे इस मंडल की पांच ट्रेनों के मार्ग बदलने और चार ट्रेनों के रद होने की सूचना है। मौसम विभाग ने बुधवार को भी आधा दर्जन जिलों में भारी वर्षा का सिलसिला जारी रहने की संभावना जताई है।

कोटा-पाली में बाढ़ जैसे हालात, रेल सेवाएं प्रभावित

कोटा, चित्तौड़गढ़, टोंक, पाली समेत कई जिलों में सोमवार को 7 इंच तक बारिश हुई। कोटा में निचले इलाके पानी में डूब गए, कई बस्तियों में घरों में पानी घुस गया। अनंतपुरा में नाला उफान पर होने से सुभाष विहार कॉलोनी जलमग्न हो गई, जहां दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक 10 हजार लोग घरों में फंसे रहे। बिजली आपूर्ति काट दी गई ताकि जनहानि न हो। पाली में भारी बारिश से रेलवे लाइन के नीचे मिट्टी बह गई, जिससे रेल संचालन ठप हो गया। जोधपुर मंडल की 5 ट्रेनों का रूट बदला गया और 4 ट्रेनें रद्द कर दी गईं।

राजसमंद में कारें बहीं, बांध का जलस्तर बढ़ा

राजसमंद में रविवार देर रात से शुरू हुई बारिश ने कलालवाटी, राजनगर बस स्टैंड, माणक चौक जैसे क्षेत्रों में जलभराव कर दिया। खमनोर में गाड़ियां पानी में बह गईं, और बैंक में भी पानी घुस गया। कुंभलगढ़ में बाघेरी नाका बांध का गेज 1 फीट से बढ़कर 3.25 फीट हो गया। भारी बारिश ने कई शहरों में प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल दी। कोटा और पाली में लोग घरों में कैद हो गए, जहां कॉलोनियों में कमर तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में और बारिश की संभावना जताई है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं।

टोंक जिले के 7 बांध हुए ओवरफ्लो

राजस्थान पर मेहरबान मानसून के बीच टोंक जिले पर लगातार दूसरे साल मानसून मेहरबान है और जुलाई महीने में सावन की शुरुआत में ही टोंक जिले ने औसत बरसात का आंकड़ा 70 प्रतिशत पार कर लिया है. जिले में अब तक 458 एमएम बरसात हो चुकी है. यही कारण है कि जिले के 34 बांधों में से टोरडी सागर, मासी ओर सहोदरा सहित 7 बांधों पर चादर चल रही है. इन बांधो में 75 प्रतिशत से अधिक पानी की आवक हो चुकी है. वहीं, जिले के सबसे बड़े बांध बीसलपुर बांध का जलस्तर भी 314.18 मीटर के पार हो चुका. बांध में लगभग 30 टीएमसी पानी की आवक हो चुकी है. ऐसे में आमजन ओर किसानों के चेहरों पर चमक है कि आने वाला साल पेयजल और सिंचाई के साथ फसलों के लिए खुशहाली का साल होगा.

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने ली पीडब्लूडी विभाग की समीक्षा बैठक, प्रोजेक्ट को समय से पूरा करने के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को सचिवालय में लोक निर्माण विभाग की एक महत्त्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली. बैठक में टोंक, सवाई माधोपुर और दौसा जिलों में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई. बैठक के दौरान दिया कुमारी ने बनास नदी पर प्रस्तावित हाई लेवल ब्रिज, निवाई-टोंक आरओबी, खेडली-पिपलाई बाईपास रोड, जयपुर-देवली रोड और आरएसआरडीसी द्वारा संचालित परियोजनाओं की समीक्षा की. बैठक में उपमुख्यमंत्री ने इन सभी परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए. इसके अलावा लोक निर्माण विभाग की बैठक में सड़क नेटवर्क को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की स्थिति पर भी गहनता से चर्चा की गई. कोथून-लालसोट-करौली-धौलपुर मार्ग, सवाई माधोपुर-श्योपुर मार्ग, महुआ-मंडावर-राजगढ़ मार्ग, गंगापुर बाईपास और पालीघाट के कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई. इन सभी परियोजनाओं को लेकर उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जवाब-तलब किया और समय पर कार्य न होने पर असंतोष व्यक्त किया. बैठक में उपमुख्यमंत्री ने पीडब्लूडी द्वारा किए जा रहे भवन निर्माण कार्यों में हो रही लापरवाही और अनावश्यक विलंब को लेकर कड़ा रुख अपनाया. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो भी अधिकारी या ठेकेदार कार्यों में लापरवाही कर रहे हैं, उनके खिलाफ आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए. उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 2024-25 के बजट में घोषित सड़कों, अटल प्रगति पथ और अन्य विकास योजनाओं की भी बिंदुवार समीक्षा की. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक परियोजना की प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत की जाए

चिंतन

भारत के अंतरिक्ष मिशनों के लिए भविष्य का मंच तैयार

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की 18 दिवसीय सफल अंतरिक्ष यात्रा ने भारत की स्पेस मिशनों के लिए मंच तैयार कर दिया है। भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की तैयारी कर रहा है। भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान 'गगनयान' की तैयारी मुकम्मल स्थिति में है। भारत की योजना 2027 में स्वदेश निर्मित रॉकेट और 'क्रू कैप्सूल' के माध्यम से मानव अंतरिक्ष उड़ान 'गगनयान' भेजने की है। शुक्ला का अंतरिक्ष प्रवास 'गगनयान' की दिशा में एक और मील का पत्थर है। भारत के अंतरिक्ष स्टेशन का पहला मॉड्यूल 2028 में प्रक्षेपित होने की उम्मीद है तथा एक पूर्ण विकसित कक्षीय प्रयोगशाला 2035 तक आकार ले लेगी। यह मिशन मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की यात्रा में एक निर्णायक अध्याय है और यह न केवल एक कदम आगे है, बल्कि महत्वाकांक्षा को क्षमता में बदलने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर किए गए प्रयोगों ने भारत के वैज्ञानिक समुदाय के लिए अंतरिक्ष कृषि और पदार्थ विज्ञान से लेकर स्वास्थ्य तथा एआई तक के नए आयाम खोले हैं। भारत 2040 तक मानव चंद्र मिशन अभियान की तैयारी भी कर रहा है। 'एक्सिओम-4' के चालक दल ने अपने प्रवास के दौरान 60 वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिनमें से सात प्रयोग इसरो द्वारा भारतीय अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर डिजाइन किए गए थे। इन अनुभवों से हमें यह पता चलेगा कि हम अंतरिक्ष यात्रियों को कैसे प्रशिक्षित करते हैं, प्रयोगों की रूपरेखा कैसे तैयार करते हैं, तथा दीर्घकालिक, स्वतंत्र अभियानों के लिए उपयुक्त जीवनरक्षक प्रौद्योगिकियों का विकास कैसे करते हैं। 'एक्स-04 मिशन' अंतरराष्ट्रीय चालक दल एकीकरण, चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक तैयारी, वास्तविक समय स्वास्थ्य टेलीमेट्री, प्रयोग निष्पादन और चालक दल-जमीनी समन्वय की बारीकियों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा। ये जानकारियां भारत के पहले स्वदेशी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए मिशन योजना, सुरक्षा सत्यापन और अंतरिक्ष यात्री की तत्परता को सीधे प्रभावित करेंगी। इस यात्रा के अनुभवों से न केवल इसरो को सहायता मिलेगी, बल्कि वैश्विक और भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। यह सफलता बाह्य अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शुभांशु शुक्ला को लेकर ड्रैगन अंतरिक्ष यान पृथ्वी पर लौटा, तो वह अपने साथ सिर्फ वैज्ञानिक आंकड़े और बीज के नमूने ही नहीं, बल्कि साहस, सपनों और भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं की कहानी भी लेकर आया है। भारतीय वायुसेना के अधिकारी और टेस्ट पायलट ग्रुप कैप्टन शुक्ला (39) ने एक्सिओम-4 मिशन के तहत अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा पूरी की है। यह एक वाणिज्यिक अंतरिक्ष उड़ान थी, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) व अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' का सहयोग प्राप्त था तथा एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित किया गया। शुक्ला आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय हैं तथा 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। शुक्ला के पास सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29, जगुआर और डोर्नियर-228 सहित विभिन्न प्रकार के विमानों पर 2,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। यात्रा के दौरान शुक्ला ने जीवन विज्ञान, कृषि, अंतरिक्ष जैव प्रौद्योगिकी और संज्ञानात्मक अनुसंधान के विविध क्षेत्रों में भारत के नेतृत्व में सात सूक्ष्म गुरुत्व प्रयोग किए हैं। शुक्ला की सफल वापसी से भारत के मानव अंतरिक्ष यात्रा के द्वार खुल गए हैं।

राधिका हत्याकांड

प्रो. नीलम महाजन सिंह

हरियाणा के गुरुग्राम में राधिका यादव की पिता द्वारा हत्या ने देश-समाज को सन्न किया है। भारतीय समाज की सोच में ग़ज़ब का दोगलापन व विरोधाभास है। एक तरफ तो 'सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणी नमोस्तुते।। या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।। यत्र नारीयस्य पूजयन्ते तत्र रमंते देवता।', दूसरी ओर समाज पितृसत्तात्मक सामंती सोच में जकड़ा हुआ है। बीते सप्ताह 'राधिका यादव हत्याकांड' ने समाज के इसी दोगलेपन को एक बार फ़िर अनावृत किया है।

अगले जन्म मुझे बिटिया न कीजो

अपराधशास्त्र के जनक माने जाने वाले इतालवी चिकित्सक डा. सेसारे (शेजारे) लोम्ब्रोसो 19 वीं सदी में जब किसी भी अपराध के पीछे की मानसिकता का गहन अध्ययन कर रहे थे, तब उनके अध्ययन क्षेत्र में एक पिता द्वारा अपनी ही बेटी की नृशंस हत्या का मामला नहीं था। यूं तो वह दौर भी जघन्य अपराधों से भरपूर था, लेकिन संतान की हत्या के केस कम ही नज़र आते हैं। भारतीय समाज में ऐसी घटना विचलित करने वाली होती है। समाजशास्त्र में एक वाक्य उद्धृत है - 'नो सोसायटी एग्जिस्टज़ विदाउट क्राइम'। लेकिन इस वाक्य के भाव में भी पिता अपनी ही बेटी की हत्या कर दे, यह नहीं है। मानवता के लिए, समाज के लिए मध्ययुगीन दौर को सबसे अधिक बर्बर व हिंसक माना गया है। उस दौर में भी अधिकांश हत्याएं राजसत्ता के लिए हुई हैं, समाज में इतनी गिरावट नहीं देखी गई, जबकि समाज, सामंती सोच से अभिप्रेत था।

आज 21वीं सदी में जब समाज प्रगतिशील है, मानवीय मूल्य महत्वपूर्ण हैं, मानवता श्रेष्ठतम धर्म है, सोच-विचार से हम आधुनिक हो रहे हैं, परिवार में संवाद, उदारता, अभिव्यक्ति व स्वतंत्रता को जगह मिल रही है, वैचारिक आज़ादी है, ऐसे दौर में अगर एक पिता अपनी बेटी की हत्या सिर्फ इसलिए कर दे कि वह जीवन में आगे बढ़ना चाहती थी व उनकी कमाई पर जीने का आरोप पिता सह नहीं पा रहा था। हरियाणा के गुरुग्राम में राधिका यादव की पिता द्वारा हत्या ने देश-समाज को सन्न किया है। क्या बेटी का आगे बढ़ना इतना बड़ा अपराध है कि एक पिता उसकी जान ही ले ले? यदि पुत्र व पुत्री में कोई अंतर नहीं है तो उसकी कमाई में भी कोई फर्क नहीं होना चाहिए। भारतीय समाज की सोच में गज़ब का दोगलापन व विरोधाभास है। एक तरफ तो 'सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणी नमोस्तुते।। या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।। यत्र नारीयस्य पूजयन्ते तत्र रमंते देवता।', दूसरी ओर समाज पितृसत्तात्मक सामंती सोच में जकड़ा हुआ है। बीते सप्ताह 'राधिका यादव हत्याकांड' ने समाज के इसी दोगलेपन को एक बार फ़िर अनावृत किया है।

पिता दीपक यादव ने अपनी 25 साल की बेटी को, ताबड़तोड़ गोलियों से भून दिया। फ़िर अपने भाई विजय से बोला, 'भाई मैंने कन्या वध कर दिया है, मुझे फांसी दिलवाओ'। वो तो मिलेगी ही मासूम बेटी के हत्यारे! राधिका की सहेली हिमांशिका सिंह राजपूत ने इंस्टाग्राम पोस्ट में एक वीडियो संदेश में कहा है कि राधिका के पापा उसे कंट्रोल करते थे। उसे तस्वीर खिंचवाना, वीडियो बनाना पसंद था, लेकिन सब धीरे-धीरे बंद हो गया व राधिका की आज़ादी उन्हें नागवार थी। राधिका कहती थी उसके परिवार में बहुत रेस्ट्रिक्शन हैं। हर चीज़ के बारे में सफाई देते रहो कि क्या कर रहे हो और क्या नहीं? दीपक यादव ने अपनी बेटी की हत्या का जुर्म, पुलिस व मैजिस्ट्रेट के समक्ष कुबूल कर लिया है। पुलिस ने बताया था कि राधिका यादव एक टेनिस अकादमी चलाती थी, जो उसके व उसके पिता के बीच विवाद का कारण बन गई थी, क्योंकि उसके पिता को अक्सर अपनी बेटी की कमाई पर गुज़ारा करने के लिए ताने मारे जाते थे। लव जिहाद के आरोपों को सिरे से ख़ारिज कर दिया गया है।

शायद महिलाओं की बलि चढ़ती रहेगी, क्योंकि भारत में पिता, भाई, पति व पुत्र ही महिलाओं को कंट्रोल करते

हैं। दो वर्ष पूर्व देव-भूमि उत्तराखंड में 19 वर्षीय युवती, अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या के उपरान्त, महिला सुरक्षा का मुद्दा सुर्खियों में आया था। समाज की यह चुप्पी निंदा योग्य है। भोपाल की सुषमा सिंह को मगरमच्छों की झील में फेंक दिया गया था। शकीरे नमाजी खलीली, एक रियल एस्टेट डेवलपर थीं, जो 1991 में लापता हो गईं। मुख्य संदिग्ध उनका ढोंगी दूसरा पति, स्वामी श्रद्धानदा था, जिसका मूल नाम 'मुरली मनोहर मिश्रा' था। एक स्टिंग ऑपरेशन द्वारा; तीन साल के बाद, कर्नाटक पुलिस को उसने हत्या की बात स्वीकारा। 1994 में पुलिस को शकीरे खलीली के, आवास में दफनाए गए अवशेषों तक अपराधी ले गया। वह जेल में आजीवन कारावास में सज़ा पूरी कर, रिहा हो चुका है। राजदूत अकबर मिर्ज़ा खालिली, आईएफएस की पत्नी, शकीरे खलीली, 4 बेटियों के बाद, बेटे की मां बनने की इच्छुक थीं। वे इस तांत्रिक के जाल में फंस गईं थीं। 'निर्भया कांड'; ज्योति सिंह मर्डर केस के दरिंदों को तो फांसी मिल चुकी है। जेसिका लाल की हत्या के मामले ने सनसनी फैलाई थी। इस केस में सज़ा पाए मनु शर्मा को 'अच्छे व्यवहार' के कारण रिहा कर दिया गया। नैना साहनी की हत्या 2 जुलाई 1995 को की गई। यह हत्याकांड 'तंदूर कांड' के नाम से चर्चित हुआ। नैना साहनी के पति, कांग्रेसी नेता सुशील शर्मा, ने ही उनकी हत्या की थी। सुशील शर्मा भी कानूनी सज़ा पूरी कर आज़ाद है। 26 साल पहले हुए एक खौफनाक कांड में, पुलिस अफसर के बेटे, सुशील कुमार सिंह ने प्रियदर्शिनी मट्टू का रेप व मर्डर किया था। आम जन का पुलिस व कानून से भरोसा हटने लगा है। प्रियदर्शनी मट्टू के पिता, सी.एल. मट्टू ने यह न्यायिक युद्ध लड़ा। परंतु अब सुशील सिंह भी सजा पूरी कर आज़ाद हो चुका है। उत्तर प्रदेश के अमर मणि त्रिपाठी व मधुमिता शुक्ला का प्रसंग; रौंगटे खड़े कर देने वाला है। मधुमिता शुक्ला के गर्भवती होने की कहानी ने सुर्खियां बटोरीं। त्रिपाठी पति-पत्नी ने उसे षडयंत्रपूर्ण मार डाला व अब आजीवन कारावास काट रहे हैं। भाजपा नेता विनोद आर्य के बेटे, पुलकित आर्य के निजी रिसॉर्ट; 'अनंतरा' के परिसर से लापता हुई, अंकिता भंडारी का शव पुलिस को चिल्ला बिजलीघर के पास मिला। पुलकित आर्य को आजीवन कारावास की सज़ा हुई है। महिलाओं की हत्या व उनके साथ दरिंदगी की हदें पार हो गई हैं। सरला मिश्रा, कांग्रेसी नेता व मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह की अनुयायी थी। भोपाल में उसे आग में जला कर मार दिया गया था। न्यायिक आदेश द्वारा सरला हत्याकांड की पुनः जांच, सीबीआई करेगी। सरला मिश्रा की आत्महत्या या मर्डर का रहस्य जारी है। देश में महिला हत्या की अनेक घटनाएं हुई हैं, लेकिन सबका ज़िक्र संभव नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के मुताबिक, सबसे अधिक क्राइम महिलाओं के खिलाफ़ हो रहे हैं।

जस्टिस ऐ. एन. वर्मा कमिटी रिपोर्ट के आधार पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानून तो पारित हो गये हैं, परन्तु धरातल पर वे कार्यान्वित नहीं होते। जब तक पुरुष प्रधान समाज से 'सामंती (फ्यूडल) विचारधारा' को ध्वस्त नहीं किया जाएगा, तब तक इसी प्रकार महिलाओं के साथ अपराध होते रहेंगें। 'नारी का सम्मान', 'लाडली', 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'बेटियाँ हमारी गौरव' जैसे प्रोग्रेसिव विचार; अक्षर मात्र हैं। पितृसत्तात्मक सामंती दृष्टिकोण, असंबद्ध समाज महिलाओं का हत्यारा है। राधिका यादव को इंसाफ मिलना चाहिए, यह इंसाफ समाज का प्रायश्चित है कि वो अपनी बेटियों की सुरक्षा का संकल्प लें। ज़रा सोचिये, क्या राधिका की आत्मा नहीं कहेगी, 'अगले जन्म मुझे बिटिया न कीजो'। आप के घर में भी बच्चियां होंगीं? कृप्या उन्हें सुरक्षित रखें, गोलियों से मत भूनिये।

(लेखक वरिष्ठ टीवी पत्रकार, विचारक, राजनैतिक समीक्षक, सॉलिसिटर फॉर ह्यूमन राइट्स संरक्षण व परोपकारक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

आकाश का विजेता

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

शुभांशु की यात्रा से भविष्य की ओर तिरंगे की उड़ान

जब आकाश की अथाह गहराइयों से एक तारा धरती की ओर लौटता है, तो वह अपने साथ अनुभवों की रोशनी ही नहीं, बल्कि एक राष्ट्र की आकांक्षाओं और सपनों की प्रज्वलित चमक भी लाता है। 15 जुलाई 2025 का वह ऐतिहासिक क्षण, जब भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन की साहसिक यात्रा पूरी कर प्रशांत महासागर के नीले विस्तार में स्प्लैशडाउन के साथ धरती को छुआ, भारत के लिए गर्व का एक नया सूर्योदय बन गया। यह केवल एक अंतरिक्ष यात्री की वापसी नहीं थी; यह एक अरब भारतीयों के विश्वास, संकल्प और महत्वाकांक्षा की विजय थी। 1.30 करोड़ किलोमीटर की यह यात्रा भारत के अंतरिक्ष इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गई, जो न सिर्फ एक वैज्ञानिक मील का पत्थर है, बल्कि हर भारतीय के हृदय में असंभव को संभव बनाने का ज्वलंत प्रतीक है।

25 जून 2025 को, जब फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से फाल्कन-9 रॉकेट ने आकाश को भेदते हुए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष की अनंत ऊंचाइयों तक पहुंचाया, तो वह पल भारत के लिए एक स्वर्णिम युग की शुरुआत बन गया। यह उनकी पहली अंतरिक्ष यात्रा थी, जो एक्सिओम-4 मिशन (एक्स-4) का हिस्सा थी। स्पेसएक्स के ड्रैगन यान 'ग्रेस' के साथ उनकी वापसी, कैलिफोर्निया के सैन डिएगो तट के पास प्रशांत महासागर में एक शानदार स्प्लैशडाउन के साथ हुई, जिसने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को वैश्विक मंच पर अभूतपूर्व गौरव प्रदान किया। शुभांशु, राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बने। उनके साथ इस मिशन में अमेरिकी कमांडर पैगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू थे। चार दशकों बाद भारत, पोलैंड और हंगरी की संयुक्त अंतरिक्ष उपलब्धि ने इस मिशन को वैश्विक सहयोग का एक चमकता प्रतीक बना दिया। 18 दिनों के इस मिशन में शुभांशु ने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों को न केवल पूर्ण किया, बल्कि उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, जिनमें से सात भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के थे। इनमें टार्डिग्रेड्स जैसे सूक्ष्म जीवों पर अभूतपूर्व अध्ययन, मेथी और मूंग के बीजों का अंतरिक्ष में अंकुरण, और माइक्रोग्रैविटी में मानव शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों की गहन खोज शामिल थी। ये प्रयोग भविष्य के मंगल मिशन और पृथ्वी पर चिकित्सा विज्ञान के लिए क्रांतिकारी नींव रखेंगे। शुभांशु 263 किलोग्राम वैज्ञानिक सामग्री, नासा के हार्डवेयर और अंतरिक्ष स्टेशन से एकत्र कचरे के साथ धरती पर लौटे, जो भारत की वैज्ञानिक दृढ़ता और वैश्विक जिम्मेदारी का प्रबल प्रमाण है। उनकी वापसी की यात्रा तकनीकी कौशल और अदम्य साहस का एक अद्वितीय संगम थी। 14 जुलाई 2025 को, भारतीय समयानुसार शाम 4:45 बजे, ड्रैगन यान ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के हार्मनी मॉड्यूल से विदाई ली, जिसने एक रोमांचक वापसी की शुरुआत की। 22.5 घंटे की इस यात्रा में यान ने 27,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया, जहां इसकी हीट शील्ड ने 1,600 डिग्री सेल्सियस की प्रचंड गर्मी को न केवल सहन किया, बल्कि विजय प्राप्त की। 5.7 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्टेबिलाइजिंग पैराशूट और फिर 2 किलोमीटर पर मुख्य पैराशूट ने यान की गति को 25.75 किलोमीटर प्रति घंटे तक नियंत्रित किया, जिससे सैन डिएगो तट पर प्रशांत महासागर में एक शानदार स्प्लैशडाउन संभव हुआ। स्पेसएक्स की रिकवरी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हेलीकॉप्टरों और नावों के जरिए शुभांशु और उनके साथियों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रारंभिक चिकित्सीय जांच में सभी अंतरिक्ष यात्री पूर्णतः स्वस्थ पाए गए और उन्हें सात दिन के पुनर्वास कार्यक्रम के लिए वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस ले जाया गया। यह मिशन भारत के गगनयान कार्यक्रम के लिए एक युगांतरकारी कदम है, जो 2027 में पहला मानवयुक्त मिशन लॉन्च करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस मिशन के लिए 550 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो भारत की अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। शुभांशु का यह अनुभव गगनयान के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक तैयारियों को नई मजबूती देगा, जो भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण के वैश्विक मंच पर और भी ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

(लेखक शिक्षाविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रेम क्या है?

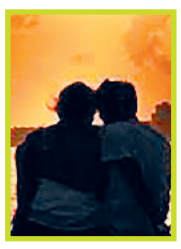

संकलित

दर्शन

प्रेम कोई क्रिया नहीं है। 'मैं' भी प्रेम है और 'तुम' भी प्रेम हो। प्रेम वह तत्त्व है जिससे हम सब बने हैं। यह एक अवस्था है, कोई कार्य नहीं। जब हम वर्तमान में होते हैं, तब हमारा मन स्वच्छ होता है- न क्रोध, न चिंता, बस प्रेम होता है। छोटे बच्चों को देखो-उनके चेहरे पर कितना निर्मल प्रेम होता है! बच्चे आकर्षक क्यों होते हैं? क्योंकि वे अपने भीतर के प्रेम को बिना किसी अवरोध के बाहर लाने देते हैं। यही कारण है कि यीशु ने कहा था- जब तक तुम बच्चों जैसे नहीं बनते, तब तक स्वर्ग के द्वार तुम्हारे लिए नहीं खुलते। बच्चे एक पल रोते हैं, और अगले ही पल हँस पड़ते हैं- यह है वर्तमान में जीने की कला। हम सबमें यह क्षमता है लेकिन जैसे-जैसे हम 'बुद्धिमान' होते जाते हैं, हम अपनी मासूमियत खो देते हैं। आत्मज्ञान का अर्थ है- मासूमियत को बनाए रखते हुए ज्ञान में बढ़ना। एक अज्ञानी व्यक्ति मासूम हो सकता है, लेकिन उसकी मासूमियत का कोई मूल्य नहीं होता। एक चतुर व्यक्ति चालाक हो सकता है, पर उसकी बुद्धिमत्ता में करुणा न हो तो वह भी व्यर्थ है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था है-जब व्यक्ति बुद्धिमान हो, लेकिन फिर भी भीतर से मासूम बना रहे। यह जीवन में बहुमूल्य है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था यह है कि हम बुद्धिमान बनें, पर भीतर से बच्चे जैसे सरल और निष्कलुष बने रहें। आज की भागदौड़ भरी जीवन में हम सब सफल, समझदार, प्रभावशाली बनना चाहते हैं लेकिन इस दौड़ में कहीं हमारी सरलता, सहजता और वह निर्मल मुस्कान पीछे छूट गई है।

सत्कर्मों में सदैव आस्था रखें

संकलित

प्रेरणा

एक नदी के तट पर एक शिव मंदिर था, एक पंडितजी और एक चोर प्रतिदिन अपनी-अपनी आस्था के अनुरूप मंदिर आया करते थे। जहां पंडितजी फल फूल, दूध चंदन आदि से प्रतिदिन शिवजी की पूजा करते। वहीं वह चोर रोज भगवान को खरी-खोटी सुनाता और अपने भाग्य को कोसता रहता। एक दिन पंडितजी और चोर एक साथ मंदिर से बाहर निकले। निकलते ही चोर को स्वर्णमुद्राओं से भरी एक थैली मिल गई। जबकि ठीक उसी समय पंडितजी के पैर में एक कील घुस गई। चोर स्वर्ण मुद्राओं से भरे थैले को पाकर अत्यंत प्रसन्न था। जबकि पंडितजी पीड़ा से परेशन थे, लेकिन पंडितजी को कील की पीड़ा से अधिक इस बात का कष्ट था कि मेरे पूजा पाठ करने के बाद भी बदले में भगवान ने मुझे कष्ट दिया। जबकि इस चोर के कुकर्मों के बदले में उसे स्वर्णमुद्राओं के रूप में पुरस्कार मिला। तब मंदिर से आवाज आई- हे पंडित! आज तुम्हारे साथ एक बड़ी दुर्घटना होने वाली थी। लेकिन तुम्हारे सत्कर्मों के कारण तुम केवल कील लगने की पीड़ा पाकर ही मुक्त हो गए। जबकि इस चोर के भाग्य में आज अपार धन संपत्ति प्राप्ति का योग था। लेकिन अपने कुकर्मों के कारण उसे केवल कुछ मुद्राएँ ही मिली हैं। अच्छे कर्म से ही मनुष्य का भविष्य एवं भाग्य बनता बिगड़ता है। इसलिए सदैव सत्कर्मों में आस्था बनाए रखना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

बारिश में सड़कों पर पशुओं का बसेरा

शहर में आवारा पशुओं का इन दिनों सड़कों पर बसेरा बढ़ गया है। बारिश के वजह से पशु पालने वाले घरों से पशुओं को खुला छोड़ देते हैं और वे हरा पानी की तलाश में शहर का सड़कों पर आकर अपना बसेरा बनाते हैं। सड़क पर चलने वाले कुछ नागरिक या तो इनका शिकार बनते हैं या वाहनों की चपेट में आकर पशु घायल होते हैं। राजधानी में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की इन पशुओं का कांजी हाउस या अन्यत्र व्यवस्था की जा सके। नगर निगम का संबंधिक विभाग आंख मूंदे हुए है। उसे आवारा पशुओं के सड़कों पर एकत्रित होने का कोई मतलब नहीं। बेहतर हो की प्रशासन इसके संज्ञान लेकर इन पशुओं को कांजी हाउस तक पहुंचाए या उनके मालिकों को दंडित करे। *-मनोज त्रिपाठी, रायपुर*

ट्रेंड

फिटनेस के लिए प्रेरणा

'फौजा सिंह असाधारण व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने विशिष्ट व्यक्तित्व से और 'फिटनेस' के विषय पर भारत के युवाओं को प्रेरित किया। उनकी मृत्यु से बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। **-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

चीन पर संसद में हो चर्चा

चीन से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की जरूरत है और उम्मीद है कि प्रधानमंत्री 21 जुलाई से आरंभ हो रहे मानसून सत्र में इसके लिए सहमति देंगे। जब 1962 के युद्ध के समय संसद में खुली चर्चा हो सकती है तो फिर आज क्यों नहीं हो सकती। **-जयराम रमेश, कांग्रेस नेता**

पीएम व मंत्रियों को छूट क्यों

लोकसभा में सीट पर ही उपस्थिति दर्ज करने के लिए नया मल्टीमीडिया उपकरण इस मानसून सत्र में प्रभावी हो जाएगा। यदि उपस्थिति दर्ज कराने की यह प्रक्रिया, पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए है, तो प्रधानमंत्री और मंत्रियों को इससे छूट क्यों? **-माणिकम टैगोर, कांग्रेस सांसद**

पुत्री हत्या में कोई गर्व नहीं

अपने ही बच्चे की हत्या करने में कोई सम्मान नहीं होता। अगर पहले कुछ लोग उसे ताने देते थे, तो अब पूरी दुनिया दीपक यादव को एक पराजित और कायर इंसान के रूप में याद करेगी। दीपक यादव, आपने इतिहास में अपनी जगह एक पराजित और डरपोक व्यक्ति के रूप में पक्की कर ली है। **-ऋचा चड्ढा, बॉलीवुड अभिनेत्री**

करंट अफेयर

व्यापार बढ़ाने के लिए चीन व आस्ट्रेलिया ने मिलाया हाथ

ऑस्ट्रेलिया और चीन के शीर्ष नेताओं ने मंगलवार को राजधानी बीजिंग में हुई वार्ता के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा और मानवाधिकारों पर मतभेदों के बावजूद व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ से कहा कि मतभेदों को दरकिनार करते हुए समानता के बिंदुओं की तलाश करना हमारे दोनों देशों और दोनों जनता के मूल हितों के अनुरूप है।

प्रधानमंत्री अल्बनीज़ ने शी की बात से सहमति जताते हुए कहा, यह दृष्टिकोण वास्तव में ऑस्ट्रेलिया और चीन दोनों के लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आया है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कई अन्य देशों की तरह ऑस्ट्रेलिया भी अमेरिका और चीन की प्रतिद्वन्द्विता के बीच संतुलन बनाने के लिए प्रयासरत है। जहां उसकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक चीन को इस्पात उद्योग के लिए लोहे के अयस्क सहित निर्यात पर निर्भर है, वहीं वह चीन के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर अमेरिकी चिंताओं को भी साझा करता है। प्रधानमंत्री अल्बनीज़ ने 2022 में सत्ता में आने के बाद से चीन के साथ संबंध सुधारने की कोशिशें की हैं।

ऑफ बीट

दक्षिणी गोलार्ध में पाई जाती हैं पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियां

बर्फ सी सफेद, काली आंखों और काली चोंच वाली 'स्नो पेट्रल' उन केवल तीन पक्षी प्रजातियों में शामिल है जिन्हें कभी दक्षिणी ध्रुव पर देखा गया है।

दरअसल, अंटार्कटिका ही वह एकमात्र स्थान है जहां यह पक्षी पाया जाता है। यह अकेली ऐसी प्रजाति नहीं है। अंटार्कटिका और उप-अंटार्कटिक क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ऐसी पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं जो केवल एक या कुछ गिने-चुने स्थानों तक सीमित हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो यह क्षेत्र ''स्थानिकता'' (एंडेमिज़्म) की दृष्टि से अत्यधिक समृद्ध हैं। यह एक महत्वपूर्ण मापदंड है जिससे यह तय किया जाता है कि किन क्षेत्रों में जैव विविधता संरक्षण के प्रयासों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मोनाश यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक मथायस डेलिंग द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि अंटार्कटिका, उप-अंटार्कटिका और समग्र रूप से दक्षिणी गोलार्ध में पक्षियों की स्थानिकता को अब तक कम करके आंका गया है। यह निष्कर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जिन क्षेत्रों में स्थानिकता अधिक होती है वहां की प्रजातियां विशेष रूप से सीमित दायरे में पाई जाती हैं। इनका अद्वितीय विकासक्रम होता है या ये पारिस्थितिक तंत्र में विशिष्ट भूमिका निभाती हैं।

इंद्रप्रस्थ कॉलेज में स्कूटी प्राप्त छात्राओं को सम्मानित किया गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

मुंडावर उपखण्ड स्थित इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में प्रतिभावान छात्राओं को स्कूटी का वितरण किया गया। राजस्थान सरकार के द्वारा सत्र 2022-23 में चयनित छात्राओं को स्कूटी उपलब्ध कराई गई है। महाविद्यालय प्रबंधन समिति के द्वारा स्कूटी प्राप्त छात्राओं को तिलक

लगाकर और मीठा मुँह कराकर सम्मानित किया गया। गांव झाड़का तहसील कोटकासिम से दिव्या, खामोश और रीतिका को राज्य सरकार के द्वारा स्कूटियां उपलब्ध कराईं गई है। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में कॉलेज प्राचार्य शिक्षाविद एवं राजनीतिक विचारक डॉ. डी. आर. शर्मा और एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय के द्वारा समय-समय पर छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है। छात्राओं की प्रतिभाओं को उजागर करने के तमाम अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। महिलाओं में अपार प्रतिभा और क्षमता विद्यमान होती है, बस आवश्यकता है, इनको सही समय पर सही मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रेमलता शर्मा, नेहा चौधरी, नीतू चौधरी, कंवर सिंह यादव एवं सूबेसिंह मेघवाल सहित अनेक विद्वानों के द्वारा अपने विचार रखे गए।

भिवाड़ी में वाहन चोरी का खुलासा

मेवात के दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी की 5 बाइक बरामद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मेवात, हरियाणा के पचगांवा निवासी साहिद उर्फ जिलसाद (22) और इकलास उर्फ हनुमान (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की 5 बाइक बरामद की हैं। जिन मामलों में आरोपियों को पकड़ा गया है, उनमें पहला

मामला 19 जून का है, जब सेक्टर-2ए, यूआईटी कॉलोनी निवासी तुषार गौड़ की मोटरसाइकिल श्याम वाटिका के पास से चोरी हुई थी। दूसरा मामला 1 जुलाई का है, जिसमें हाउसिंग बोर्ड निवासी मुकेश प्रसाद की मोटरसाइकिल उनके घर के बाहर से चोरी हुई थी। थानाधिकारी देवेंद्र प्रसाद के अनुसार, सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरोपियों को पकड़ा गया है। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदातों को कबूल किया है। दोनों आरोपी पहले भी वाहन चोरी के मामलों में पकड़े जा चुके हैं। गिरोह का सरगना मोईन अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। डीएसपी कैलाश चौधरी ने बताया कि वाहन चोरी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

भिवाड़ी में जलभराव से जनता परेशानः रेवाड़ी जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, 7 दिन में समाधान का आश्वासन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

हरियाणा और राजस्थान की सीमा पर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 919 पर धारूहेड़ा और भिवाड़ी के बीच बने चार फीट ऊंचे अवैध रैम्प को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस रैम्प के कारण भिवाड़ी में बरसात के दिनों में भारी जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है, जिससे स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर भिवाड़ी के सर्व समाज की ओर से 13 जुलाई को आयोजित महापंचायत के बाद मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने रेवाड़ी के जिला कलेक्टर अभिषेक मीणा को ज्ञापन और मांग पत्र सौंपा। इस मांग पत्र में अवैध रैम्प को तत्काल हटाने और प्राकृतिक जल प्रवाह मार्ग को खोलने की मांग की गई है। रेवाड़ी डीसी ने एक सप्ताह के भीतर जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

महापंचायत में लिया गया बड़ा फैसला

13 जुलाई 2025 को भिवाड़ी में आयोजित महापंचायत में स्थानीय नागरिकों ने सर्वसम्मति से अवैध रैम्प को हटाने का निर्णय लिया। उनका कहना है कि 27 जुलाई 2023 को धारूहेड़ा नगर पालिका और रेवाड़ी जिला प्रशासन ने हरियाणा सरकार की सहमति से ह॥ 919 पर यह रैम्प बनाकर प्राकृतिक जल प्रवाह मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। इसके परिणामस्वरूप बरसात के दिनों में राजमार्ग पर चार फीट तक पानी भर जाता है, जिससे वाहनों और पैदल यात्रियों का आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। भिवाड़ी की भगत सिंह कॉलोनी, अलवर बाईपास मार्ग और मॉडर्न पब्लिक स्कूल जैसे क्षेत्र जलमग्न हो रहे हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी असुविधा हो रही है। स्कूली बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे, व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है, और दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

प्राकृतिक जल प्रवाह मार्ग पर अतिक्रमण

ज्ञापन में बताया गया कि भिवाड़ी, जो अरावली पहाड़ियों की तलहटी में बसा है, वहां से निकलने वाला वर्षा जल प्राकृतिक रूप से हरियाणा के गांवों– महेश्वरी, गढ़ी, धारूहेड़ा और मालपुरा–होते हुए साहिबी नदी में जाता था। यह पानी 20 से 30 फीट चौड़े नाले के माध्यम से बहता था। हालांकि, धारूहेड़ा में आवासीय क्षेत्रों और बेस्टटेक सिटी जैसे बड़े निर्माणों के कारण नाले की चौड़ाई कम हो गई और अतिक्रमण बढ़ गया। इसके चलते बरसाती पानी राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर बहने लगा। इस समस्या को रोकने के लिए धारूहेड़ा प्रशासन ने ह॥ 919 पर अवैध रैम्प बनाया, जो अब भिवाड़ी में जलभराव का प्रमुख कारण बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह रैम्प न केवल अवैध है, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के नियमों का भी उल्लंघन करता है।

मांग पत्र में प्रमुख मांगें

प्रतिनिधिमंडल ने अपने मांग पत्र में तीन प्रमुख मांगें रखीं

अवैध रैम्प हटाने की मांग

27 जुलाई 2023 और 8 जुलाई को बनाए गए अवैध रैम्प को तुरंत हटाकर प्राकृतिक जल प्रवाह मार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग को खोला जाए।

पक्का नाला निर्माण

भिवाड़ी से साहिबी नदी तक 20 फीट चौड़ा पक्का नाला बनाया जाए, जिसमें अतिक्रमण हटाकर जल प्रवाह को सुगम किया जाए।

आपसी सौहार्द की बहाली

भिवाड़ी और धारूहेड़ा के बीच उत्पन्न तनाव को कम करने और भविष्य में ऐसी बाधाएं न डालने के लिए कानूनी ढांचे में समस्याओं का समाधान करने की मांग

प्रशासन की प्रतिक्रिया

रेवाड़ी के जिला कलेक्टर अभिषेक मीणा ने प्रतिनिधिमंडल की बात सुनने के बाद एक सप्ताह के भीतर जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और जल्द से जल्द समाधान निकाला जाएगा। साथ ही, उन्होंने NHAI और संबंधित विभागों के साथ समन्वय करने का वादा किया।

स्थानीय लोगों का गुस्सा

महापंचायत में शामिल लोगों ने धारूहेड़ा नगर पालिका पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि नगर पालिका ने अपनी लापरवाही छिपाने के लिए भिवाड़ी के वर्षा जल को दोषी ठहराया और गलत सूचनाओं के आधार पर रैम्प बनवाया। इससे न केवल भिवाड़ी के निवासियों को परेशानी हो रही है, बल्कि हरियाणा के कई गांवों में भी बरसाती पानी का प्रवाह प्रभावित हुआ है। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें एक सप्ताह में पूरी नहीं हुईं, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। कुछ नागरिकों ने रैम्प को तोड़ने की धमकी भी दी है, हालांकि प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से शांतिपूर्ण समाधान की अपील की है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध निर्माण

ज्ञापन में राष्ट्रीय राजमार्ग पर किसी भी स्थायी या अस्थायी निर्माण को अवैध बताते हुए कहा गया है कि यह रैम्प कानून के खिलाफ है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रैम्प के कारण राजमार्ग पर यातायात बाधित हो रहा है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के लिए महत्वपूर्ण है।

भिवाड़ी और धारूहेड़ा की आपसी निर्भरता

भिवाड़ी और धारूहेड़ा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के तहत संयुक्त मास्टर प्लान का हिस्सा हैं। दोनों शहर एक-दूसरे पर कई सुविधाओं, जैसे व्यापार, यातायात और सामाजिक गतिविधियों, के लिए निर्भर हैं। इस रैम्प के कारण दोनों शहरों के बीच आपसी सौहार्द और व्यापार पर बुरा असर पड़ रहा है। भिवाड़ी के नागरिकों ने हरियाणा सरकार और NHAI से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि प्राकृतिक जल प्रवाह बहाल हो और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारू हो सके।

आगे की राह

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह समस्या केवल भिवाड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि धारूहेड़ा और आसपास के गांवों को भी प्रभावित कर रही है। यदि प्रशासन ने समय पर कार्रवाई नहीं की, तो यह विवाद और गहरा सकता है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि वह नाले के अतिक्रमण को हटाए और पक्का नाला बनाकर इस समस्या का स्थायी समाधान निकाले। साथ ही, उन्होंने NHAI से अपील की है कि वह राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध निर्माण को हटाने के लिए तत्काल कदम उठाए।

भिवाड़ी में होगा इंडस्ट्रियल फेयर, तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

ऑल इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर (आईआईएफ) का आयोजन इस बार भिवाड़ी में होगा और इसे सफल बनाने के लिए तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं। लघु उद्योग भारती भिवाड़ी इकाई के नेतृत्व में नीमराणा और बहरोड़ इकाइयों के साथ समन्वय बनाकर आयोजन को गति दी जा रही है। हाल ही में नीमराणा में हुई बैठक में तीनों इकाइयों के पदाधिकारियों ने भाग लिया और आयोजन को सफल बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संरक्षक एलन गुप्ता, उपाध्यक्ष अजीत यादव, लीलाधर पारीक और अध्यक्ष विमल पंडित ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। कार्यकारिणी सदस्य केके यादव ने सभी को एकजुट होकर कार्य करने का संदेश दिया। मीडिया प्रभारी वीरल महिपाल गर्ग ने बताया कि आयोजन के प्रचार-प्रसार के लिए तीनों इकाइयों के बीच समन्वय स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को एमएसएमई और उद्योग जगत के लिए एक आदर्श मंच के रूप में स्थापित किया जाएगा। बैठक में नीमराणा इकाई अध्यक्ष शशांक भारद्वाज, सुनील जुनेजा और किरोड़ीमल ने 30 स्टॉल आरक्षित करने, टाइटल स्पॉन्सरशिप प्राप्त करने और नीमराणा क्षेत्र में प्रचार के लिए होर्डिंग लगाने की जिम्मेदारी ली। वहीं बहरोड़ इकाई से अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल और कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने 20 स्टॉल आरक्षित करने के साथ-साथ अपने क्षेत्र में प्रचार हेतु होर्डिंग्स लगाने की जिम्मेदारी संभाली। सभी इकाइयों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि एमएसएमई सेक्टर की ब्रांडिंग, नेटवर्किंग और विकास के लिए यह फेयर एक मजबूत मंच बनेगा। आयोजन की तारीखों की घोषणा शीघ्र की जाएगी और प्रचार कार्य को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विशेष रणनीतियां भी लागू की जाएंगी। उद्योग क्षेत्र में सक्रिय सहभागिता और तीनों क्षेत्रों की एकजुटता इस आयोजन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का भरोसा दिला रही है।

नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की सघन चैकिंग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से बहरोड़ जिले में दो दिवसीय विशेष नाकाबंदी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा के निर्देश पर मंगलवार को तड़के सुबह 4 से 6 बजे तक जिले की सीमाओं पर सघन नाकाबंदी की गई, जिसमें हर आने-जाने वाले वाहन की कड़ी जांच की गई। इस दौरान पुलिस टीमों ने वाहनों के दस्तावेज, सवारियों की पहचान और संदिग्ध सामानों की गहन तलाशी ली। जिले के मुख्य प्रवेश और निकासी मार्गों पर नाकाबंदी कर विशेष निगरानी रखी गई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके। बुधवार रात 12 से 2 बजे तक दूसरी चरण की नाकाबंदी की जाएगी, जिसमें रात के समय चलने वाले वाहनों की विशेष जांच की योजना है। नीमराणा थाना क्षेत्र और माजरी पुलिस चौकी की ओर से मंगलवार सुबह की कार्रवाई में सभी छोटे-बड़े वाहनों की बारीकी से तलाशी ली गई। न केवल वाहनों के कागजात, बल्कि यात्रियों की पहचान और सामान की भी जांच की गई। अभियान के दौरान माजरीकलां क्षेत्र में भी पुलिस की सक्रियता बनी रही, जिससे आमजन में सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे अभियान आगे भी समय-समय पर जारी रहेंगे, जिससे असामाजिक तत्वों पर दबाव बना रहे और जिले में शांति व्यवस्था कायम रह सके। नाकाबंदी के दौरान मिली सूचनाओं और संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। इस अभियान ने न केवल सीमाओं पर चौकसी को बढ़ाया है, बल्कि पुलिस की तत्परता और सक्रियता को भी सामने लाया है। लगातार हो रही इस तरह की कार्रवाइयों से जिले में असामाजिक गतिविधियों की रोकथाम में मदद मिलने की उम्मीद है।

विकास अधिकारियों ने दिया सामूहिक ज्ञापन, 18 जुलाई तक मांगे नहीं मानी तो कार्य बहिष्कार की चेतावनी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

फील्ड में लगातार हो रहे दुर्व्यवहार और राजनीतिक हस्तक्षेप से आहत ग्रामीण सेवा अधिकारी संघ के विकास अधिकारियों ने सामूहिक रूप से मुख्यमन्त्री और पंचायत राज मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे हैं। जिले की विभिन्न पंचायत समितियों के अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र के एसडीएम को यह ज्ञापन देकर आत्म सुरक्षा के लिए होमगार्ड उपलब्ध करवाने की मांग की है। विकास अधिकारी संजय यादव ने बताया कि पंचायत राज विभाग से जुड़े कार्यों का अधिकांश भार ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी और कर्मचारी ही उठाते हैं। लेकिन इन कार्यों में जनप्रतिनिधियों का सीधा हस्तक्षेप रहता है और जब कोई समस्या आती है, तो दोष सीधे कर्मचारियों पर मढ़ा जाता है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि कई बार राजनीतिक दबाव या आरोपों के चलते अधिकारियों को एपीओ कर दिया जाता है या निलंबित कर दिया जाता है। इससे उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और योजना क्रियान्वयन पर भी सीधा असर पड़ता है। विकास अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की कार्य स्थितियों में उनकी छवि को भी नुकसान पहुंचता है और वे मानसिक रूप से हतोत्साहित हो रहे हैं। यदि यह स्थिति यूं ही बनी रही तो इसका असर आने वाले समय में पूरे विभाग की कार्यप्रणाली और प्रगति पर भी दिखेगा।ज्ञापन में यह चेतावनी भी दी गई है कि यदि सरकार 18 जुलाई तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो वे पंचायत समिति स्तर पर किए जा रहे राशन कार्ड ऑनलाइन सत्यापन, समाज कल्याण पेंशन की स्वीकृति और सत्यापन, श्रम विभाग के कार्य समेत अन्य विभागीय कार्यों का सामूहिक रूप से बहिष्कार करेंगे। ग्रामीण सेवा अधिकारी संघ की यह एकजुटता और चेतावनी आने वाले दिनों में प्रशासन के लिए चुनौती बन सकती है। अब देखना होगा कि सरकार इस ज्ञापन पर क्या रुख अपनाती है।

बाड़े में बंधी भैंस पर बघेरे ने किया हमला, ग्रामीणों में दहशत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

क्षेत्र के रामपुर गांव के निकट खारी का बास में सोमवार रात को एक बघेरे ने बाड़े में बंधी भैंस पर हमला कर दिया। यह घटना रात के समय तब हुई जब ग्रामीण अपने घरों में सो रहे थे। किसान सोणाराम पुत्र हरलाल चौधरी के घर में बने बाड़े में यह हमला हुआ। जानकारी के अनुसार, बघेरा रात में चुपचाप बाड़े में घुसा और वहां बंधी भैंस पर झपट पड़ा। मवेशी की चीख और हल्ला सुनकर परिवारजन जागे और मौके की ओर दौड़े। जब तक वे पहुंचे, बघेरा खेतों की ओर भाग चुका था। भैंस को बघेरे ने बुरी तरह घायल कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी खारी का बास सहित आसपास के क्षेत्रों में बघेरे द्वारा मवेशियों और ग्रामीणों पर हमले की घटनाएं हो चुकी हैं। इसके बावजूद वन विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है। बघेरे की लगातार मौजूदगी से छोटे बच्चों और बुजुर्गों को घरों से बाहर निकलने में डर लगने लगा है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते वन विभाग इस ओर ध्यान नहीं देता है, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। पीड़ित किसान सोणाराम के अनुसार उन्होंने कई बार वन विभाग को बघेरे की मौजूदगी और हमलों के बारे में शिकायत दी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को मवेशी के नुकसान का मुआवजा देने और इलाके में पिंजरा लगाकर बघेरे को पकड़ने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि वन विभाग ने जल्द कोई कदम नहीं उठाया, तो वे आंदोलन की राह पर जाएंगे। क्षेत्र के अन्य किसानों ने भी अपने मवेशियों को लेकर चिंता जाहिर की है। रात होते ही लोग अब पहरा देने को मजबूर हैं। वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियों के बीच विभाग की उदासीनता से लोगों में आक्रोश पनप रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है।

जिला कलक्टर ने नगर निकाय अधिकारियों की बैठक ली, सफाई और योजनाओं के क्रियान्वयन पर दिए सख्त निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने मंगलवार को नगर परिषद और सभी नगर पालिकाओं के अधिशाषी अधिकारियों के साथ अहम बैठक आयोजित कर सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, शहरी विकास और सफाई व्यवस्था की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचे और सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जन परिवादों के शीघ्र निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और पोर्टल पर औसत निस्तारण समय को कम किया जाए। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और समयबद्धता प्रशासन की प्राथमिकता है, जिसे हर स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। स्वच्छता अभियान को लेकर उन्होंने निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई हो, घर-घर से कचरा संग्रहण की प्रभावी व्यवस्था हो, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने पर रोक लगाई जाए और सामुदायिक शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि सफाई में लापरवाही पर संबंधित ठेका फर्म को नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाए। जलभराव की समस्या वाले इलाकों, पार्कों, सरकारी भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने ठोस और गीले कचरे के पृथक्करण, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, कचरा निस्तारण केंद्रों और डंपिंग यार्ड की स्थिति की समीक्षा कर प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग कर आमजन को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभ दिलाने को कहा। अन्नपूर्णा रसोई योजना की स्थिति पर चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि रसोइयों का निरीक्षण नियमित किया जाए और गुणवत्तापूर्ण भोजन पर विशेष ध्यान रहे। उन्होंने अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में रसोई संचालन सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री शहरी रोजगार योजना के तहत जारी जॉब कार्ड, अमृत सरोवर योजना, सीवरेज प्रोजेक्ट और पेंशन सत्यापन कार्यों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सामूहिक समर्पण और सतत निगरानी जरूरी है। इस बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट, बहरोड़ के अधिकारी नूर मोहम्मद, पावटा से फतेह सिंह मीणा, बानसूर से विशाल यादव और नीमराना से राहुल अग्रवाल मौजूद रहे।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में कचरे के ढेर पर जन आक्रोश, मृत शरीर के पास धरना देकर जताया विरोध

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कस्बे की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बदहाल सफाई व्यवस्था और महीनों से फैली गंदगी को लेकर मंगलवार को जन आक्रोश फूट पड़ा। कॉलोनीवासियों और पार्षदों ने नगर परिषद की लापरवाही से नाराज़ होकर एक मृत शरीर को कचरे के ढेर के पास रखकर धरना प्रदर्शन किया, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वर्षों से बेतरतीब कचरा प्रबंधन और अनदेखी से परेशान लोगों का कहना था कि कॉलोनी की गलियों में महीनों से सफाई नहीं हुई, जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं और बदबू के कारण जीना मुश्किल हो गया है। इस स्थिति में जब एक व्यक्ति की मौत हुई तो आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को कचरे के पास रखकर नगर परिषद के खिलाफ विरोध जताया। उनका आरोप था कि परिषद के अधिकारी और ठेकेदार केवल आश्वासन देते हैं, पर सफाई की कोई ठोस व्यवस्था नहीं करते। घटना की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार रामधन गुर्जर मौके पर पहुंचे और धरने पर बैठे लोगों से संवाद किया। उन्होंने सफाई कार्य तुरंत शुरू करवाने और श्मशान भूमि आवंटन की मांग पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। तहसीलदार की पहल से ग्रामीणों में भरोसा जगा और प्रदर्शनकारियों ने शव को सम्मानपूर्वक उठाकर धरना समाप्त कर दिया। वहीं, पार्षदों ने नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर सभापति प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा और कॉलोनी सहित पूरे शहर की सफाई व्यवस्था को सुधारने की मांग की। उनका कहना था कि हालत इतनी खराब है कि पार्षदों के खुद के घरों के सामने भी कचरे के ढेर लगे हैं। कॉलोनीवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो बड़ा जन आंदोलन खड़ा होगा। उन्होंने नगर परिषद पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गंदगी के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है, जो बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। फिलहाल, तहसील प्रशासन की त्वरित पहल से स्थिति संभलती दिख रही है, लेकिन यह स्पष्ट है कि यदि सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो कोटपूतली में कचरे को लेकर बड़ा जन आंदोलन होना तय है।

जिला कलक्टर ने बानसूर ब्लॉक की बैठक ली, आकांक्षी ब्लॉक योजना पर दिए दिशा-निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना के तहत बानसूर ब्लॉक के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि ब्लॉक विकास रणनीति के अनुरूप समन्वय के साथ कार्य करते हुए तय लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत नीति आयोग के फ्रेमवर्क पर आधारित संकेतकों के आधार पर जिले से बानसूर ब्लॉक का चयन किया गया है। बैठक में विभिन्न विभागों की ओर से चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल, पंचायत, पशुपालन सहित अन्य योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कलक्टर ने विभागीय अधिकारियों से जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की स्पष्ट कार्ययोजना प्रस्तुत करने और तय मानकों के अनुसार सुधारात्मक प्रयास तेज़ करने के निर्देश दिए। कलक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जहां-जहां अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई है, वहां प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और संबंधित कार्मिकों को विभागीय पोर्टलों पर समय पर और सही डेटा अपलोड करने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे रिपोर्टिंग में गुणवत्ता और विश्वसनीयता आ सके। बैठक में सीएसआर मद से बानसूर क्षेत्र में जरूरतमंद स्थानों पर कार्य करवाने पर भी चर्चा की गई। पशुपालन विभाग को निर्देश दिए गए कि वे क्षेत्र के पशुधन स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें और टीकाकरण अभियान प्रभावी ढंग से चलाएं। वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता पर विशेष चर्चा करते हुए कलक्टर ने कहा कि ये आधारभूत सुविधाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में हैं, और इनमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ब्लॉक की सामाजिक और आर्थिक स्थिति के आधार पर अंतराल की पहचान की जाए और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनटाइड फंड के तहत प्रस्ताव तैयार कर उन्हें अनुमोदित कर शीघ्र क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बानसूर ब्लॉक की विकास रणनीति स्थानीय स्तर की जरूरतों, उपलब्ध अवसरों, चुनौतियों और जोखिमों के विश्लेषण के आधार पर तय होनी चाहिए और उसमें सभी विभागों का आपसी समन्वय जरूरी है। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बानसूर अनुराग हरित, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी बाबूलाल बैरवा सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

फोर लेन निर्माण से सोता नदी का बहाव बाधित, ग्रामीणों ने जताया विरोध

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कोटपूतली-नीमकाथाना स्टेट हाईवे पर जारी फोर लेन सड़क निर्माण कार्य पर्यावरणीय संकट का कारण बनता नजर आ रहा है। सरूण्ड क्षेत्र में निर्माण कंपनी द्वारा नदी में डाली गई मिट्टी और मलबे के कारण सोता नदी का प्राकृतिक बहाव बाधित हो गया है, जिससे ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों में रोष व्याप्त है। पर्यावरण कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास के नेतृत्व में ग्रामीणों ने मंगलवार को तहसीलदार रामधन गुर्जर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में संलग्न पीआरएल रोड कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा टोल टैक्स के पास नदी क्षेत्र में वेस्ट मिट्टी और पत्थर डंप किए जा रहे हैं। इससे न केवल नदी के बहाव में अवरोध उत्पन्न हो रहा है, बल्कि आगामी बरसात में क्षेत्र में बाढ़ और जलभराव जैसी समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। ज्ञापन में ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यह डंपिंग कार्य न केवल अवैध है बल्कि पर्यावरणीय कानूनों का उल्लंघन भी है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि आरएसआरडीसी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और निर्माण कंपनी को निर्देश दिए जाएं कि वे तत्काल प्रभाव से नदी क्षेत्र से डाला गया मलबा हटाएं और भविष्य में इस प्रकार की अवैध डंपिंग को रोका जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिये बाध्य होंगे। उनका कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर यदि प्राकृतिक जलस्रोतों के साथ खिलवाड़ किया गया तो इसका खामियाजा पूरे क्षेत्र को भुगतना पड़ेगा। तहसीलदार रामधन गुर्जर ने ज्ञापन पर तुरंत संज्ञान लेते हुए हल्का पटवारी को मौके की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की यह पहल जहां ग्रामीणों को आश्वस्त करती है, वहीं अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि दोषी कंपनी के विरुद्ध क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे। यह मामला केवल एक नदी के बहाव को रोकने का नहीं, बल्कि यह सवाल भी उठाता है कि विकास कार्यों में पर्यावरणीय संतुलन को कितना महत्व दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन प्रकृति के साथ छेड़छाड़ स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिला निष्पादन समिति एवं मिड-डे मील योजना की समीक्षा बैठक आयोजित, डिजिटल शिक्षा और पोषण पर विशेष जोर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला निष्पादन समिति एवं मिड-डे मील योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता, डिजिटल शिक्षा और पोषण संबंधी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने राज्य स्तरीय शैक्षिक रैंकिंग में जून माह में जिले की पांचवीं रैंक आने पर विभागीय टीम की सराहना की और लगातार सुधार करते रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कक्षा 10वीं के परिणामों में 90% से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों की संख्या अगले सत्र में दुगनी होनी चाहिए। इसी तरह 12वीं के विद्यार्थियों को नीट, आईआईटी, क्लैट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में अधिक संख्या में सफलता मिले, इसके लिए ठोस तैयारी करवाई जाए। उन्होंने जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सभी विद्यालयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की संरचनाएं क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। साथ ही भामाशाहों और संस्थाओं के माध्यम से चल रहे विद्यालय रिनोवेशन कार्यों की गुणवत्तापूर्ण पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिला कलक्टर ने खेल मैदानों को लेकर कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में खेल मैदान नहीं हैं, उन्हें चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाए और जिन स्थानों पर अतिक्रमण है, वहां से अतिक्रमण हटाया जाए। हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत लक्ष्य अनुसार पौधारोपण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

प्रोजेक्ट ई-विद्या को मिले गति

डॉ. शुक्ला ने 'प्रोजेक्ट ई-विद्या' के तहत जिले के सभी विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। वर्तमान में पीईईओ स्तर पर 202 ई-लाइब्रेरी क्रियाशील हैं और 13 निर्माणाधीन हैं। शेष स्थानों पर शीघ्र लाइब्रेरी स्थापित करने को कहा गया। उन्होंने विद्यार्थियों की भागीदारी से प्रत्येक ब्लॉक में इंटरनेट पर 10 ब्लॉग तैयार करवाने और रचनात्मक लेखन को प्रोत्साहित करने की योजना साझा की। अब तक जिले में 95 ब्लॉग और 5 ई-मैगजीन (प्रेरणा, ज्ञानपथ, विद्या विथिका आदि) तैयार किए जा चुके हैं। साथ ही विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आईसीटी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए।

मिड-डे मील में गुणवत्ता और पोषण पर फोकस

मिड-डे मील योजना की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्ता युक्त भोजन समय पर उपलब्ध हो। इसके लिए हर माह की 7 तारीख तक खाद्य सामग्री की आपूर्ति, कुक-कम-हेल्पर का भुगतान और खाद्यान्न का उचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विद्यालयों में 'न्यूट्रिशन गार्डन' विकसित करने की बात कही ताकि बच्चों को ताजा और पोषण युक्त भोजन उपलब्ध हो सके। इस कार्य के लिए सीबीईओ स्तर पर लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्रगति की सतत समीक्षा के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश कुमार गुप्ता, एडीपीसी मनोज शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक महेश मेहता, प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी देवेंद्र सिंह समेत समस्त सीबीईओ और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिर्फ 5 रुपये के लिए चली छुरी-तलवार, खूनी संघर्ष में चाचा-भतीजे की मौत, कई अन्य घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

राजस्थान के अजमेर में रामगंज थाना क्षेत्र में चिकन के दाम को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया. इस दौरान कुरैशी समाज के दो गुटों ने एक दूसरे पर चाकू, छुरियों और तलवार से हमला बोल दिया. इस खूनी संघर्ष में चाचा-भतीजे की मौत हो गई है, जबकि पांच लोग घायल भी हुए हैं. दो गुटों में खूनी संघर्ष के बाद स्थिति तनाव पूर्ण हो गई, जिसको देखते घटनास्थल और अस्पताल दोनों जगह अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात करना पड़ा है. पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है.

चिकन के रेट पर हुई तीखी बहस

मामले की शुरुआत चिकन के दाम को लेकर कुरैशी समाज के व्हाट्सएप एक ग्रुप से हुई. बताया जा रहा है कि सोमवार रात मृतक इमरान और आरोपी अब्दुल अली के बीच 155 रुपये और 160 रुपये प्रति किलो चिकन के रेट को लेकर तीखी बहस हुई, जो गाली-गलौज तक जा पहुंची. हमले में घायल सलमान कुरैशी ने बताया कि सोमवार को डीग्गी बाजार निवासी अल्लाहरखा ने राजीनामे के बहाने एचएमटी के सामने स्थित पाकीजा मीट शॉप परमीट शॉप पर आने का आग्रह किया था. मंगलवार को दुकान बंद थी, इसलिए बात करने के लिए दुकान के सामने बुलाया गया, लेकिन वहां पहले से घात लगाए बैठे अब्दुल अली, एहसान, अल्लाहरखा, सलमान टीटू, नापू और एवेज ने चाकू, छुरियों और तलवारों से हमला बोल दिया. घायल इमरान और शाहनवाज को तुरंत जेएलएन अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दोनों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. इसके अलावा खूनी संघर्ष में इरफान, शाहरुख, शाहबाज और सलमान गंभीर रूप से घायल हैं. घटना के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर हिमांशु जांगिड़ सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा.

चिकन के दाम पर खूनी संघर्ष

पुलिस के अनुसार, पाकीजा मीट शॉप का इमरान सस्ते दामों पर 'चिकन' बेच रहा था और आरोपी पक्ष उस पर दाम बढ़ाने का दबाव बना रहा था. वारदात स्थल से पुलिस ने हमलावरों द्वारा हमले के लिए ले गए डंडे लोहे की रोड और कांच की बोतले सहित अन्य सामग्री जप्त की है. एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं. पुलिस को उम्मीद है कि दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में वारदात के फुटेज कैद हुए हैं, जिसकी जांच की जा रही है. पुलिस के मुताबिक शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है. दोनों पक्षों की ओर से मामला दर्ज करवाया जा रहा है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

डीजीपी राजीव शर्मा से मिले कौशल विकास बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, बीकानेर दौरे का दिया न्योता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा से सोमवार को श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने पुलिस मुख्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने डीजीपी को गुलदस्ता भेंट कर उनके कार्यकाल की सराहना की और प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सकारात्मक चर्चा की। बैठक के दौरान वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी पन्नालाल नागल ने डीजीपी शर्मा को उनके पूर्व बीकानेर कार्यकाल की याद दिलाते हुए आग्रह किया कि वे शीघ्र बीकानेर का दौरा करें। उन्होंने कहा कि इस दौरे से स्थानीय समाज को लाभ मिलेगा और पुलिस प्रशासन के साथ आमजन की सहभागिता भी बढ़ेगी। बैठक में बीकानेर के समाजसेवी भरत सुथार, जितेंद्र नागल, मुकेश खाती सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। सभी ने पुलिस महानिदेशक को बीकानेर आने का न्योता दिया और क्षेत्र की सामाजिक व सुरक्षा संबंधी ज़रूरतों पर चर्चा की। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जहां प्रदेश में कौशल विकास, पुलिस और समाज के बीच समन्वय, और क्षेत्रीय विकास जैसे मुद्दों पर सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ।

विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस भूला प्रशासन, जूली ने जताई कड़ी नाराज़गी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के प्रशासन द्वारा स्थापना दिवस को नजरअंदाज़ किए जाने पर गहरी नाराज़गी जताई है। उन्होंने इस लापरवाही को शर्मनाक करार देते हुए कहा कि सरकार को कुलपति का नाम बदलकर 'कुलगुरू' करने की औपचारिकता तो याद रही, लेकिन विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर को भूल जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। जूली ने कहा कि प्रदेश के शिक्षा इतिहास में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास के सम्मान में 14 जुलाई 1962 को इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के चलते इस बार स्थापना दिवस पर कोई आयोजन नहीं हुआ, जो शिक्षा और परंपराओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलगुरू और रजिस्ट्रार जैसे प्रमुख पदों पर बीते पांच महीनों से केवल कार्यवाहक अधिकारी नियुक्त हैं, जो अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं कर रहे। इसका सीधा असर विश्वविद्यालय के संचालन और गरिमा पर पड़ रहा है। जूली ने कहा कि यह स्थिति सरकार की उदासीनता और प्रशासनिक अक्षमता को दर्शाती है। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय परिसर में महान शिक्षाविद् और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन तथा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर स्थित शेरे-ए-राजस्थान जयनारायण व्यास की प्रतिमाओं की नियमित देखभाल तक नहीं की जा रही है। उन्होंने इसे इन महापुरुषों का अपमान बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। टीकाराम जूली ने मांग की कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय प्रशासन की इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करे और भविष्य में विश्वविद्यालय की परंपराओं और गरिमा की रक्षा सुनिश्चित करे।

नई सड़क बनाई थी, खोद दी, महापौर ने जेईएन के हाथ जोड़े-पैर पकड़े, बोले - जनता हमारी ऐसी-तैसी कर देती है

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

भीलवाड़ा के पंचमुखी मोक्षधाम से पंचमुखी हनुमान मंदिर तक जलदाय विभाग द्वारा नगर निगम की बिना अनुमति के सड़क खोदने से आमजन को परेशानी हो रही थी. इसको लेकर महापौर राकेश पाठक सोमवार को मौके पर पहुंचे और नाराज हो गए. उन्होंने विभाग के जेईएन से जवाब-तलब करते हुए हाथ जोड़कर अनुरोध किया और यहां तक कि उनके पांव तक पकड़ लिए. महापौर ने कहा, ''जनता हमारी ऐसी-तैसी कर देती है. सड़कें खोदकर मत छोड़िए. आप लोग सड़क खोदते हो और लोग हमारी ऐसी-तैसी करते हैं. बारिश के मौसम में सड़कें खोदने से लोगों को परेशानी होती है.'' इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. जलदाय विभाग द्वारा पाइप लाइन डालने के लिए बिना रोड कटिंग की अनुमति के सड़क खोदी जा रही थी. जब इस बात की जानकारी पार्षद हेमंत शर्मा को मिली तो उन्होंने काम को रुकवा दिया. इस बीच जलदाय विभाग के जेईएन श्रीराम मीणा मौके पर पहुंचे और काम चालू कराने का दबाव डालने लगे. पार्षद शर्मा ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महापौर राकेश पाठक को बुला लिया. मौके पर पहुंचे महापौर पाठक ने जेईएन को समझाने की कोशिश की, लेकिन जब वह नहीं माने तो पाठक ने हाथ जोड़कर अनुरोध किया और यहां तक कि उनके पैर तक पकड़ लिए. पाठक ने कहा कि जब तक रोड कटिंग की अनुमति नहीं दिखाई जाती, तब तक कार्य नहीं होने दिया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि इससे आमजन परेशान हो रहे हैं और हमें गलियां पड़ती हैं, जबकि नियम तोड़कर काम आप करते हैं.

ऑटो ड्राइवर ने महिला को थप्पड़ मारे, गाल सूजा, छोटे बच्चे के किराए के लिए पीटा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रींगस

सीकर के खाटूश्यामजी में दर्शन कर रींगस रेलवे स्टेशन लौट रही महिलाओं के साथ टेम्पो ड्राइवर ने मारपीट कर दी। महिलाओं का आरोप है कि छोटे बच्चे के किराए के लिए टेम्पो ड्राइवर ने थप्पड़ मारे, जिससे एक महिला का गाल सूज गया। महिला सीमा और शबाना ने बताया- वो अपने बच्चों के साथ चित्तौड़गढ़ से खाटूश्यामजी दर्शन करने आई थी। वापस चित्तौड़गढ़ जाने के लिए रींगस रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़नी थी।

इसके लिए खाटूश्यामजी से एक टेम्पो में बैठ गए। रींगस पहुंचने पर जब पैसे देने लगे तो टेम्पो ड्राइवर ने छोटे बच्चे का भी किराया मांगा। महिला ने बताया- हमने कहा कि छोटे बच्चे का क्या किराया लोगे। इस बात पर तैश में आकर टेम्पो ड्राइवर ने शबाना के गाल पर थप्पड़ मार दिया और किराया लेकर वहां से भाग गया। घटना में महिला शबाना का गाल सूज गया। महिलाओं ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं को कार्रवाई का आश्वासन दिया। महिलाओं ने पुलिस से कहा कि आज उनके साथ ऐसा हुआ है, कल किसी और के साथ हो सकता है। पुलिस अब ड्राइवर की तलाश में जुट गई है। रींगस थाने के एएसआई सुरेश कुमार ने बताया- महिलाओं के साथ मारपीट और थप्पड़ मारने का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिलाओं से घटना की जानकारी ली।

कृषि विपणन विभाग का 'मिशन जीवन सुरक्षा' देगा मंडी श्रमिकों को सामाजिक संबल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

कृषि विपणन विभाग द्वारा राज्य की मंडियों में श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए 'मिशन जीवन सुरक्षा' अभियान ने प्रभावशाली प्रगति हासिल की है। इस अभियान के तहत प्रदेश की समस्त कृषि उपज मंडी समितियों में कार्यरत हम्मालों, पल्लेदारों एवं तुलारों को जीवन एवं दुर्घटना बीमा योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल के निर्देशन में विभाग ने मार्च 2025 से यह अभियान प्रारंभ किया था, जिसके तहत श्रमिकों के बैंक खाते खुलवाकर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) में उनका बीमा करवाया जा रहा है। अब तक इस अभियान के अंतर्गत 95 प्रतिशत से अधिक श्रमिकों को बीमा सुरक्षा कवच प्रदान किया जा चुका है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, मंडियों में क्रियाशील हम्माल एवं पल्लेदारों में से 94.76 प्रतिशत को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा 95.34 प्रतिशत को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत बीमा कवर प्रदान किया गया है। इस अभियान के लिए प्रत्येक मंडी समिति में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो श्रमिकों के बैंक खाते खुलवाने और बीमा योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विभाग का लक्ष्य शत-प्रतिशत श्रमिकों को इन योजनाओं से जोड़ना है, ताकि प्रत्येक श्रमिक एवं उसका परिवार किसी अनहोनी की स्थिति में आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सके। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 18 से 50 वर्ष तक के बैंक खाता धारकों की मृत्यु पर परिवार को 2 लाख रुपये की सहायता राशि मिलती है। इस योजना का वार्षिक प्रीमियम 436 है और इसमें मेडिकल जांच की आवश्यकता नहीं होती। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एक दुर्घटना बीमा योजना है, जो 18 से 70 वर्ष के खाताधारकों के लिए लागू है। दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण विकलांगता की स्थिति में 2 लाख तक और आंशिक विकलांगता पर 1 लाख की बीमा राशि प्रदान की जाती है। इस योजना का वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 है और इसकी वैधता 1 जून से 31 मई तक होती है। 'मिशन जीवन सुरक्षा' के माध्यम से मंडियों में काम कर रहे हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिल रहा है। विभाग की यह पहल न केवल श्रमिकों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक है, बल्कि सामाजिक सरोकार की दिशा में भी एक सशक्त कदम है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर अजमेर व बीकानेर संभाग के साथ बैठक, पारदर्शिता और शुद्धता पर दिया गया जोर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन - स्र्ङ्घ) की तैयारियों को लेकर सोमवार को शासन सचिवालय में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की अध्यक्षता में अजमेर एवं बीकानेर संभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों संभागों के संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बैठक में कहा कि स्र्ङ्घ कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण और उनमें पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए और कोई भी अपात्र नाम इसमें शामिल न हो। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक हेल्प डेस्क स्थापित की जाएं और वहां तैनात कार्मिकों को स्र्ङ्घ से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों की पूरी जानकारी दी जाए। महाजन ने कहा कि बीएलओ, सूचना सहायकों, पर्यवेक्षकों सहित अन्य जरूरी मानव संसाधनों की समय पर नियुक्ति कर उन्हें समुचित प्रशिक्षण दिया जाए। स्वयंसेवकों का भी शीघ्र चयन कर प्रशिक्षित किया जाए। इसके साथ ही रैंडम चेकिंग के लिए विशेष निरीक्षण दल गठित किए जाएं, जिससे पात्र व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो सके। उन्होंने राजनीतिक दलों से समन्वय कर बूथ लेवल एजेंट्स की शीघ्र नियुक्ति पर भी जोर दिया और पोलिंग स्टेशनों के रेशनलाइजेशन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों की संख्या, दूरी, पहुंच, मूलभूत सुविधाएं और मतदाताओं की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए यह कार्य निष्पादित किया जाए। महाजन ने यह भी कहा कि स्र्ङ्घ कार्यक्रम की जानकारी आम मतदाताओं तक पहुँचाने के लिए व्यापक स्तर पर ढ्ढश्वष्ट (सूचना, शिक्षा व संचार) गतिविधियाँ चलाई जाएं, जिससे प्रत्येक नागरिक को कार्यक्रम की प्रक्रिया और महत्व की जानकारी हो सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि आयोग द्वारा तय समयसीमा में सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम सुचारू, पारदर्शी और प्रभावी रूप से संपन्न हो सके।

प्रतापगढ़ में अपराधियों पर पुलिस का शिकंजाः लूट, मारपीट और फायरिंग के मामलों में चार गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

जिले में सक्रिय अपराधियों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लूटपाट, मारपीट और फायरिंग जैसी गंभीर घटनाओं में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें कुख्यात हिस्ट्रीशीटर वालिया उर्फ वालजी मीणा भी शामिल है, जिसे मुंगाणा से पकड़ा गया। वहीं शहर में हथियारों के साथ बवाल करने वाले तीन अन्य आरोपियों को भी सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। मुंगाणा कस्बे में 24 अप्रैल को दिनदहाड़े तीन अलग-अलग वारदातों को अंजाम देने वाले हिस्ट्रीशीटर वालिया उर्फ वालजी मीणा को पुलिस ने उसके ठिकाने से धर दबोचा। आरोपी ने पहले जगदीश सिंह राजपुरोहित की जोधपुर मिष्ठान भंडार में घुसकर लूटपाट की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद वह रवि लबाना के घर पहुंचा और लाठी-सरियों से हमला किया। तीसरी घटना में नारायण लबाना पर सरेराह हमला किया गया, जिससे वह जान बचाकर भागे। इन वारदातों के बाद थाना पारसोला में गंभीर धाराओं में मामला दर्ज हुआ। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थानाधिकारी भेमजी गरासिया के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई कर उजाड़ खेड़ा निवासी वालिया मीणा को गिरफ्तार किया। दूसरी बड़ी कार्रवाई प्रतापगढ़ शहर में हुई। 14 जुलाई को गायत्री माता मंदिर के पीछे गोलीबारी की घटना से इलाके में तनाव फैल गया। पुरानी रंजिश के चलते सुरज मीणा और उसके साथियों पर विजय हरिजन, गोविंद हरिजन और महावीर हरिजन ने पिस्टल से जानलेवा हमला किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी बंसल ने तत्परता से टीमों का गठन किया। थानाधिकारी दीपक बंजारा के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में तीनों आरोपी पकड़े गए। पुलिस ने उनके पास से दो पिस्टल और घटनास्थल से दो खाली केस जब्त किए हैं। एसपी विनीत बंसल ने बताया कि दोनों मामलों में त्वरित कार्रवाई से अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं और आम जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। पुलिस अब दोनों घटनाओं की गहन जांच में जुटी हुई है।

अज्ञात लोगों ने हनुमान जी की मूर्ति को किया खंडित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ के अरनोद थाना क्षेत्र के सिहपुरिया गांव में अज्ञात लोगों ने माताजी मंदिर परिसर में हनुमान जी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौके पर पहुंच गए। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने अरनोद-प्रतापगढ़ मार्ग पर जाम लगा दिया। वहीं सूचना मिलने पर अरनोद पुलिस उप अधीक्षक चंद्रशेखर पालीवाल और थाना अधिकारी हजारीलाल मीणा और उपखंड अधिकारी जगदीश बामनिया मौके पर पहुंचे। एसडीएम ने ग्रामीणों को समझाया, जिसके बाद सड़क से जाम हटा। मामला मंगलवार सुबह 7 बजे का है। स्थानीय निवासी प्रेमचंद डांगी ने बताया कि सिहपुरिया गांव स्थित माताजी मंदिर में गांव के निवासी कन्हैयालाल आंजना सुबह 7 बजे पूजा करने गए थे। इस दौरान कन्हैयालाल को हनुमान जी की प्रतिमा खंडित मिली। जिसके बाद कन्हैयालाल ने घटना की जानकारी अन्य ग्रामीणों को दी। सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आक्रोशित होकर अरनोद रतलाम रोड पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे में आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों ने मंदिर के आसपास के अतिक्रमण को हटाने की भी मांग की है। पुलिस उप अधीक्षक चंद्रशेखर पालीवाल ने बताया कि आक्रोशित लोगों ने अरनोद-प्रतापगढ़ मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। जिसकी सूचना मिलने पर वह थाना अधिकारी हजारीलाल मीणा और उपखंड अधिकारी जगदीश बामनिया के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया, जिसके बाद सड़क से जाम हटाया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं मौके पर हतुनिया, अरनोद और सालमगढ़ की पुलिस मौजूद है।

बोलेरो की टक्कर से महिला सहित 2 लोगों की मौत, एक घायल अस्पताल में भर्ती

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डूंगरपुर

डूंगरपुर के चौरासी थाना क्षेत्र के पाडली गांव में तेज रफ्तार बोलेरो ने एक बाइक और राहगीर को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला और राहगीर की मौत हो गई। बाइक सवार महिला का पति घायल हो गया। भीलवा पंचेला निवासी मुकेश रोत की रिपोर्ट के अनुसार उनके पिता लक्ष्मण रोत और माता तुलसी देवी बाइक पर डूंगरपुर से घर लौट रहे थे। पाडली गांव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसी दौरान एक राहगीर भी बोलेरो की चपेट में आ गया। राहगीर की मौके पर ही मौत हो गई। लक्ष्मण और तुलसी को गंभीर हालत में डूंगरपुर जिला अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान तुलसी की भी मौत हो गई। चौरासी थाने के एएसआई छत्तर सिंह के अनुसार पुलिस ने दोनों शवों को अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रेलवे कॉलोनी के क्वार्टर में मिला महिला का शव, सिर और हाथ धड़ से अलग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

शहर के रेलवे कॉलोनी थाना क्षेत्र इलाके में रेलवे कॉलोनी के खंडहर क्वार्टर में एक महिला का शव मिला है। महिला के धड़ से सिर और हाथ अलग मिले है। एक कुत्ता महिला का हाथ मुंह में दबाकर भागता हुआ नजर आया, तब राहगीरों ने पुलिस में सूचना दी। एडिशनल एसपी दिलीप सैनी ने बताया कि रेलवे की कई क्वार्टर खाली है। यहीं पर वंदना रहती थी। मेडिकल की टीम आई है डॉक्टर ने बताया है कि इसकी मौत तकरीबन 18 घंटे पहले हुई है और सर और हाथ दोनों धड़ से अलग है। अगर किसी ने सर काटा होता तो ब्लड प्रेशर काफी तेज होता है खून के निशान आसपास नजर आते ऐसा कुछ मिला नहीं है।

भाजपा के सिस्टम ने की ओडिशा में छात्रा की हत्या, प्रधानमंत्री जवाब दें: राहुल गांधी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

ओडिशा के बालासोर में यौन उत्पीड़न से परेशान होकर छात्रा के आत्मदाह करने पर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रा की मौत को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। जबकि ओडिशा के राज्यपाल ने छात्रा की मौत पर संवेदना जाहिर की है। उन्होंने शैक्षिक संस्थानों में सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया है। वहीं ओडिशा के सीएम ने 20 लाख रुपये के मुआवजे का एलान किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत सीधे-सीधे भाजपा के सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाई, लेकिन न्याय देने के बजाय, उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया, बार-बार अपमानित किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि जिन्हें उसकी रक्षा करनी थी, वही उसे तोड़ते रहे। हर बार की तरह भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा और एक मासूम बेटी को खुद

को आग लगाने पर मजबूर कर दिया। ये आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा संगठित हत्या है। ओडिशा हो या मणिपुर, देश की बेटियां जल रही हैं, टूट रही हैं, दम तोड़ रही हैं। और आप खामोश बैठे हैं? ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने भी छात्रा की मौत पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा ट्वीट में लिखा कि फकीर मोहन स्वायत्त महाविद्यालय की एक छात्रा की असामयिक मृत्यु की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। उसका निधन सिर्फ एक त्रासदी नहीं है। यह हमारे परिसरों की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता की एक स्पष्ट चेतावनी है। कानून अपना सबसे कठोर कदम उठाएगा। जिम्मेदार लोगों को कठोरतम सजा मिलेगी। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। असहनीय पीड़ा की इस घड़ी में उन्हें शक्ति मिले। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कॉलेज छात्रा के परिवार को 20 लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, माझी ने संबंधित अधिकारियों को घटना की उचित जांच करने का निर्देश दिया ताकि सभी दोषियों को कानून के अनुसार दंडित किया जा सके। राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस का ओडिशा की बेटी के साथ हुई दुखद घटना पर ओछी राजनीति करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। एक गंभीर और संवेदनशील मामले को राजनीतिक हथियार बनाना राहुल गांधी की सस्ती मानसिकता को दर्शाता है। ओडिशा की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है, लेकिन कांग्रेस ने इसे भी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का मौका बना लिया है। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने हमेशा महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए ठोस कदम उठाए हैं, जबकि कांग्रेस ने हमेशा हर दुर्घटना में अवसर तलाशने का काम किया है। इस घटना पर ओडिशा सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। यह समय सस्ती राजनीति का नहीं, बल्कि पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाने का है। राहुल गांधी को अपने इस गैर-ज़िम्मेदाराना बयान के लिए पीड़ित परिवार से तुरंत माफी मांगनी चाहिए। बालासोर में छात्रा की आत्मदाह से हुई मौत पर भाजपा सांसद और पूर्व राष्ट्रीय महिला आयोग प्रमुख रेखा शर्मा ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है। छात्रा की शिकायत पर कार्रवाई न करना कॉलेज की लापरवाही थी। ऐसे मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय राहुल गांधी को पीड़ित परिवार के साथ खड़ा होना चाहिए। मैंने राहुल और प्रियंका को पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार के खिलाफ बोलते कभी नहीं सुना।

धर्म बदलवाने के लिए महिलाओं संग रेप, वीडियो वायरल करने की धमकी, छांगुर बाबा गैंग की करतूतें

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बलरामपुर

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह में शामिल लोग धर्मांतरण के लिए राजी नहीं होने वाली महिलाओं का दुष्कर्म कर वीडियो बनाते थे। वीडियो वायरल करने का दबाव डालकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। इस मामले में छांगुर बाबा और नीतू उर्फ नसरीन सहित कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। एटीएस को जांच में धर्मांतरण के नेटवर्क और पीड़ितों के बारे में कई अहम जानकारियां मिली हैं। पता चला है कि छांगुर बाबा ने महिलाओं के जबरन धर्मांतरण का गंदा काम गिरोह की महिलाओं को ही सौंप रखा था। नाम बदलकर मुस्लिम युवक हिंदू घर की महिलाओं और युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनका धर्मांतरण कराते थे। बलरामपुर के उतरौला कोतवाली का मधपुर गांव धर्मांतरण का केन्द्र बिन्दु बन गया था। यहां बैठकर जलालुद्दीन अवैध धर्म परिवर्तन का नेटवर्क पूरे देश में चला रहा था। धर्मांतरण के लिए तीन श्रेणियां बनाई गई थीं। पहली श्रेणी में महिलाओं को शामिल किया गया था जो गरीब व अनुसूचित जाति की महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर धर्मांतरण करवाती थीं। दूसरी श्रेणी में युवतियां काम करती थीं, जो देह व्यापार में लिप्त गरीब युवतियों को फंसाकर धर्मांतरण करवाती थीं। तीसरी श्रेणी में मुस्लिम युवकों को रखा गया था जो नाम बदलकर हिंदू युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराते थे। एटीएस की रडार पर नीतू उर्फ नसरीन के बाद दो अन्य महिलाएं भी हैं। इन दोनों महिलाओं ने छांगुर के जाल में फंसकर इस्लाम धर्म कुबूल किया था। एक बौद्ध धर्म की अनुयायी जबकि दूसरी मुंबई की रहने वाली है। धर्मांतरण प्रकरण के तूल पकड़ने के बाद से गायब हुईं इन दोनों महिलाओं की तलाश की जा रही है। इनके बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

मानसून सत्र की शुरुआत से पहले खरगे ने सभापति से की मुलाकात, बोले- कई मुद्दों पर चर्चा जरूरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 21 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से पहले राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। मंगलवार को उन्होंने सभापति से मुलाकात कर कहा कि विपक्ष सत्र को एक सार्थक रूप में देखना चाहता है। इसके लिए उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'विपक्ष 21 जुलाई से शुरू होने वाले राज्यसभा सत्र को एक सार्थक सत्र के रूप में देखना चाहता है। इसके लिए कई रणनीतिक, राजनीतिक, विदेश नीति और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर बहस और चर्चा जरूरी है, जो जनता के लिए बेहद चिंता का विषय है।' वहीं विपक्ष इस बार संसद के मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमले, पहलगाम आतंकी हमले में चीन के रवैये समेत कई मुद्दों पर चर्चा को लेकर अड़ा हुआ है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बार सत्र की शुरूआत के साथ ही जबरदस्त सियासी घमासान मचेगा। वहीं मंगलवार को कांग्रेस ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के चीन के दौरे का हवाला देते हुए कहा कि पड़ोसी देश से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की जरूरत है और उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जुलाई से आरंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र में इसके लिए सहमति देंगे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि जब 1962 के युद्ध के समय संसद में खुली चर्चा हो सकती है तो फिर आज क्यों नहीं हो सकती? रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '14 जुलाई, 2025 को चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग के साथ अपनी बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत-चीन द्विपक्षीय संबंध 'पिछले साल अक्टूबर में कजान में पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद से लगातार सुधर रहे हैं' और यह भी कहा कि 'हमारे संबंधों का निरंतर सामान्य होना दोनों देशों के लिए लाभदायक हो सकता है।' उन्होंने कहा कि शायद विदेश मंत्री को याद दिलाना जरूरी है कि प्रधानमंत्री की राष्ट्रपति शी जिनपिंग से हुई पिछली मुलाकात के बाद भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में क्या-क्या घटनाक्रम हुए हैं।

पुणे पोर्श मामले के आरोपी पर किशोर की तरह मुकदमा चलेगा, जुवेनाइल बोर्ड का फैसला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पुणे पोर्श कार हादसे के मामले में आरोपी पर किशोर की तरह मुकदमा चलेगा। किशोर न्याय बोर्ड ने मंगलवार को यह आदेश दिया। 17 वर्षी आरोपी ने बीते साल पुणे में तेज रफ्तार कार से दो लोगों को कुचल दिया था, जिससे दोनों की मौत हो गई थी। यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में रहा था।

बीते साल 19 मई को पुणे के कल्याणी नगर इलाके में आरोपी किशोर ने अपनी तेज रफ्तार पोर्श कार से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो आईटी पेशेवर अनीश अवधिया और उसकी दोस्त अश्विनी कोस्टा की मौत हो गई थी। पुणे पुलिस ने पिछले साल आरोपी पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाने की मांग की थी, क्योंकि उसने एक जघन्य कृत्य किया था। आरोपी पक्ष की तरफ से सबूतों से छेड़छाड़ करने की भी कोशिश की गई थी। हालांकि 25 जून, 2024 को, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने लड़के को रिहा करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि किशोर न्याय बोर्ड द्वारा आरोपी को सुधार गृह भेजने का आदेश अवैध था और किशोरों से संबंधित कानून का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए। अब किशोर न्याय बोर्ड ने आरोपी को बड़ी राहत देते हुए उस पर किशोर की तरह मुकदमा चलाने का आदेश दिया। बचाव पक्ष के वकील ने बताया कि किशोर न्याय बोर्ड ने आरोपी लड़के को वयस्क मानने की पुलिस की याचिका खारिज कर दी। सड़क हादसे के बाद आरोपी किशोर को तुरंत ही जमानत मिल गई थी। पुलिस ने आरोपी नाबालिग को सड़क सुरक्षा पर 300 शब्दों का निबंध लिखने की शर्त पर तुरंत जमानत दे दी थी, जिसने विवाद खड़ा कर दिया था।

65 दिनों में 22 बार ट्रंप ने लिया संघर्ष विराम का श्रेय, जयराम रमेश ने पीएम की चुप्पी पर सवाल उठाए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय कई बार लिया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने यह दावा 65 दिनों में 22 बार किया है। महासचिव ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलावर को इससे संबंधित पोस्ट किया है। जयराम रमेश ने हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप के दावों का खुले तौर पर खंडन न करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की लगातार आलोचना की है। रमेश की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ट्रंप ने सोमवार को नाटो के महासचिव मार्क रूट के साथ बैठक के दौरान दोबारा यही दावा किया। ट्रंप ने कहा कि हम युद्धों को सुलझाने में बहुत सफल रहे हैं। भारत और पाकिस्तान में जिस तरह के हालात थे, उससे तो दोनों देश एक हफ्ते में ही परमाणु युद्ध में उलझ जाते। यह बहुत बुरी तरह से चल रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्यापार को लाभ के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी रणनीति की ओर इशारा करते हुए आगे कहा कि हमने व्यापार के जरिए ऐसा किया। मैंने कहा था कि जब तक आप इस मामले को सुलझा नहीं लेते हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे और उन्होंने ऐसा किया। 8 जुलाई को जब डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकार से बातचीत के दौरान यही दावा किया था, तो जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर निशाना

साधा था। रमेश ने कहा था कि पीएम ने इसका जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने यह सब ठीक उसी समय कहा जब वह भारत और पाकिस्तान के साथ अमेरिकी व्यापार समझौते को लेकर बातचीत कर रहे थे। बता दें कि विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के दावों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, हमारी लंबे समय से राष्ट्रीय नीति रही है कि कंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान ही द्विपक्षीय रूप से हाल करेंगे। जैसा की आप जानते हैं लंबित मामला पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करने का है। मंत्रालय ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने और शत्रुता समाप्त होने के बाद भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच व्यापार का मुद्दा नहीं उठा। पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। इसके जवाब में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शरू किया। भारत ने पाकिस्तान और पीओजेके में आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इसके बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हो गया। दोनों देशों ने 10 मई को संघर्ष विराम करने का फैसला किया।

सेना पर टिप्पणी का मामला: लखनऊ कोर्ट में राहुल गांधी ने किया समर्पण, सुनवाई के बाद मिल गई जमानत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लखनऊ

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ सेना पर टिप्पणी मामले में दर्ज केस की सुनवाई मंगलवार को लखनऊ के एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई। कोर्ट में आत्मसमर्पण करने के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने राहुल को हिरासत में लिया। इसके बाद जमानत अर्जी पर सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के बाद 20-20 हजार की दो मुचलकों पर उन्हें जमानत दे दी गई। यह मुकदमा उन पर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में मुकदमा चल रहा है। एमपी-एमएलए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मानहानि मामले में दायर शिकायत का संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को आरोपी के रूप में तलब किया है। कांग्रेस नेता ने समन के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में याचिका दायर की थी लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली। बता दें कि यह मानहानि की शिकायत बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दायर की थी। यह मामला फिलहाल लखनऊ की एक अदालत में लंबित है। शिकायत में दावा किया गया कि राहुल गांधी ने 16 दिसंबर 2022 को अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी 9 दिसंबर 2022 को भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प से जुड़ी थी। शिकायत के अनुसार कि राहुल ने बार-बार अपमानजनक तरीके से कहा था कि चीन की सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों को पीट रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा। लखनऊ की अदालत ने पहली नजर में माना था कि राहुल के बयान से भारतीय सेना और उससे जुड़े लोगों और उनके परिवारों का मनोबल कम हुआ है। इस मामले में अदालत ने राहुल को पेश होने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की सजा टली, हत्या के मामले में दी जानी थी फांसी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली/सना

केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में होने वाली फांसी की सजा टल गई है। निमिषा प्रिया को 16 जुलाई को अपने बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में फांसी की सजा दी जानी थी। केरल के प्रभावशाली सुन्नी मुस्लिम नेता कंथापुरम ए पी अबूबकर मुसलियार और भारत सरकार के हस्तक्षेप से हो रही बातचीत के बाद यमन के स्थानीय अधिकारियों ने निमिषा की सजा स्थगित कर दी है। बताया जा रहा है कि भारत सरकार ने हाल के दिनों में निमिषा प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए और समय देने के लिए लगातार प्रयास किए। भारतीय अधिकारी यमन के जेल अधिकारियों और अभियोजक कार्यालय के साथ नियमित संपर्क में रहे हैं। बता दें कि निमिषा प्रिया पर आरोप है कि उन्होंने साल 2017 में अपने यमनी बिजनेस पार्टनर तालाल अब्दो महदी की हत्या की थी। इस मामले में उन्हें 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी और उनकी अंतिम अपील 2023 में खारिज हो गई। 16 जुलाई 2025 को उन्हें फांसी देने की तारीख तय की गई थी। फिलहाल निमिषा यमन की राजधानी सना की जेल में बंद हैं। पिछले

दिनों सुप्रीम कोर्ट में भी निमिषा की फांसी को सजा रुकवाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई थी। सुप्रीम कोर्ट में सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल (एजीआई) ने कहा कि भारत सरकार प्रिया की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि बातचीत जारी रहने तक प्रिया के मामले को देख रहे सरकारी वकील सहित यमन के अधिकारियों के साथ फांसी के आदेश को निलंबित करने के लिए बातचीत चल रही है। मामले में सरकार के साथ ही केरल के प्रभावशाली सुन्नी मुस्लिम नेता कंथापुरम ए पी अबूबकर मुसलियार ने भी यमन में बातचीत की पहल की। मुसलियार के जरिये यमन के एक प्रमुख सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हफीज के प्रतिनिधि और मृतक तालाल अब्दो महदी के परिवार के बीच बातचीत हुई। इस बीच मुसलियार ने यमन सरकार से अनुरोध किया था कि जब तक ये बातचीत चल रही है, तब तक निमिषा प्रिया की फांसी को टाल दिया जाए।

स्वैदा में हिंसक झड़पों बाद सीरिया ने किया युद्धविराम का एलान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दमिश्क

सीरिया के रक्षा मंत्री मुरहाफ अबू कासरा ने मंगलवार को घोषणा की कि स्वैदा शहर में सरकार और स्थानीय गुटों के बीच समझौते के बाद सीरिया की सेना युद्धविराम करेगी। यह फैसला सोमवार को हुए हिंसक झड़पों के बाद लिया गया, जिसमें दर्जनों लोगों की मौत हो गई थी। बता दें कि स्वैदा प्रांत, जहां ड्रूज़ समुदाय की बड़ी आबादी रहती है, वहां सुन्नी बदूइन जनजातियों और ड्रूज लड़ाकों के बीच आपसी अपहरण और हमलों के कारण झड़पें शुरू हुईं। स्थिति को संभालने के लिए सरकार ने सेना भेजी, लेकिन सुरक्षा बलों और ड्रूज गुटों के बीच भी भिड़ंत हो गई। इसी दौरान इस्राइल ने सीरियाई सेना के एक टैंक पर हमला किया। वहीं बात सीरिया पर इस्राइली हमले के कारण की करें तो इस्राइली रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने यह हमला ड्रूज समुदाय की रक्षा के लिए किया। इस्राइल में ड्रूजो को एक वफादार अल्पसंख्यक माना जाता है, और वे सेना में भी सेवा करते हैं। ऐसे में अब इस्राइल की बढ़ती दखलअंदाजी और सरकार पर ड्रूज समुदाय की अविश्वास से स्थिति और भी संवेदनशील हो गई है। हालांकि मामले में बढ़ते तनाव को देखते हुए शुरुआत में सीरिया के ड्रूज धार्मिक नेताओं ने लड़ाकों से हथियार डालने और सरकार से बातचीत की अपील की थी। लेकिन बाद में प्रमुख धार्मिक नेता शेख हिकमत अल-हिजरी ने उस बयान को वापस ले लिया और सरकार पर नागरिकों पर बमबारी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम पर पूरी तरह से विनाश का युद्ध थोपा गया है। ड्रूज एक धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय हैं, जिनकी जड़ें इस्लाम के शिया इस्माइली संप्रदाय से निकली हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी-उत्तराखंड सरकार से मांगा जवाब

कांवड़ मार्ग पर दुकानदारों को क्यों लगाना होगा क्यूआर कोड?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सावन का पवित्र महीना शुरू होने के बाद पूरे देश में कांवड़ यात्रा निकल रही है। लाखों की संख्या में कांवड़ यात्री अलग-अलग जगहों से गंगाजल लेकर शिवलिंग पर चढ़ाने जा रहे हैं। कई राज्यों में कांवड़ियों के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। खासकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में सरकार ने कांवड़ रूट के लिए कुछ गाइडलाइंस जारी की है, जिसे लेकर अब सुप्रीम कोर्ट ने सवाल पूछा है। यूपी और उत्तराखंड सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सभी दुकानदारों को क्यूआर कोड लगाने का आदेश दिया है, जिसमें दुकान के मालिक की पूरी पहचान मौजूद

रहेगी। वहीं, अब सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्य सरकारों से इस फैसले की वजह पूछी है। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी और उत्तराखंड सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए 1 हफ्ते का समय दिया है। जस्टिस एमएम सुंद्रेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि दोनों सरकारों को अगले मंगलवार तक क्यूआर कोड के आदेश का कारण सुप्रीम कोर्ट को बताना होगा। सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड का पक्ष रखने वाले एडवोकेट जनरल जीतेंद्र कुमार सेठी ने जवाब दाखिल करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय से 2 हफ्ते का समय मांग है, जिसका वरिष्ठ एडवोकेड शादान फरासत ने विरोध किया है। शादान ने कहा कि यह कांवड़ यात्रा 10-12 दिन में खत्म हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसपर सहमति जताते हुए अगले मंगलवार तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। बता दें कि कांवड़ यात्रा के मद्देनजर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार ने नोटिस जारी किया था। इसमें आदेश में कांवड़ रूट पर खान-पान की दुकान लगाने वाले दुकानदारों को क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य किया गया है। इस क्यूआर कोड में उन्हें दुकान के मालिक की पहचान बतानी होगी। सुप्रीम कोर्ट में सरकार के इस आदेश को चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में दावा किया गया है कि यूपी-उत्तराखंड सरकार का यह कदम सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का उल्लंघन है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा